■ माघ शुक्ल - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 192 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 06-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 रोहित ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों और चैंपियन्स ट्रॉफी पर ध्यान

6 सामरिक सूचना के उजागर होने के खतरे

7 'तेनाली रामा' में फिर काम करना अद्भुत अनुभव : प्रियंवदा कांत

फर्स्ट टेक

टीटीडी ने शुरू की 18 'गैर हिंदू' कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई

तिरुपति/भाषा। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के 18 कर्मचारियों को 'गैर-हिंदू' धर्म का पालन करते हुए पाए जाने के बाद उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई, जिसके तहत उन्हें मंदिर निकाय द्वारा आयोजित सभी धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने से रोक दिया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंदिर निकाय के अधिकारी के अनुसार, इस संबंध में हाल ही में एक परिपत्र जारी किया गया है। टीटीडी तिरुपति स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है

डीएनआई पद के लिए तुलसी गबार्ड के नाम पर सीनेट समिति की मुहर

न्यूयॉर्क/भाषा। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) पद के लिए सीनेट की एक प्रमुख समिति ने हिंदू-अमेरिकी तुलसी गबार्ड के नाम पर मुहर लगा दी है और उनके नाम की पुष्टि के लिए सीनेट में व्यापक मतदान का मार्ग प्रशस्त हो गया है। रिपब्लिकन के नेतृत्व वाली खुफिया मामलों की सीनेट की चयन समिति ने पार्टी लाइन के अनुसार मतदान में आठ के मुकाबले नौ मत से गबार्ड के नामांकन को मंजूरी दी। 'वाशिंगटन पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, अगले सप्ताह की शुरुआत में पूरी सीनेट द्वारा उनके नाम को मंजूरी के लिए मतदान होने की संभावना है। हवाई से कांग्रेस की पूर्व सदस्य और डेमोक्रेटिक नेता गबार्ड (43) को जासूसी एजेंसियों की देखरेख की जिम्मेदारी के लिए उनकी उपयुक्तता को लेकर विरोध का सामना करना पड़ा।

इस बार चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं का ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन पंजीकरण भी होगा

ऋषिकेश/भाषा। उत्तराखंड में अप्रैल में शुरू होने वाली चार धाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के ऑनलाइन पंजीकरण के साथ ही ऑफलाइन पंजीकरण भी किए जाएंगे ताकि इंटरनेट का उपयोग नहीं कर पाने वाले तीर्थयात्रियों को कोई परेशानी न उठानी पड़े । अधिकारियों ने यहां बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर यहां यात्रा ट्रांजिट कैंप परिसर में गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पाण्डे की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में यात्रा प्रशासन ने पिछली गलतियों से सबक लेते हुए इस बार यात्री पंजीकरण की व्यवस्था में बदलाव का निर्णय लिया है।

एग्जिट पोल : 26 साल बाद दिल्ली की सत्ता में

भाजपा की वापसी की संभावना

दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीट के लिए मतदान संपन्न, मतगणना आठ फरवरी को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद आए अधिकतर एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 26 साल से अधिक समय बाद राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में वापसी की संभावना जताई गई है।

दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीट के लिए बुधवार को मतदान संपन्न हुआ। मतगणना आठ फरवरी को होगी।

चुनाव के बाद अधिकतर चुनाव सर्वेक्षण एजेंसियों ने भाजपा की जीत और आम आदमी पार्टी (आप) की हार का अनुमान व्यक्त किया है। कई सर्वेक्षणों में एक बार फिर संभावना जताई गई है कि कांग्रेस के लिए खाता खोलना भी मुश्किल हो सकता है।

'मैट्रिज' के सर्वेक्षण के अनुसार, भाजपा 39 से 35 सीट जीतकर सरकार बना सकती है।

एजेंसी	आप	बीजेपी+	कांग्रेस
मैट्रिज	32-37	35-40	0-1
पी-मार्क	21-31	39-49	0-1
पीपल्स इनसाइट	25-29	40-44	0-2
पीपल्स पल्स	10-19	51-60	0-0
जेवीसी पोल	22-31	39-45	0-2
पोल डायरी	18-25	42-50	0-2
चाणक्य स्ट्रैटिजीज	25-28	39-44	2-3
वीप्रीसाइड	46-52	18-23	0
माइंड ब्रिंक	44-49	21-25	0-1

इस एजेंसी ने आप को 32 से 37 तथा कांग्रेस को शून्य से दो सीट मिलने का अनुमान जताया है।

'पी-मार्क' के एग्जिट पोल में संभावना जताई गई है कि भाजपा 39-49 सीट जीतकर पूर्ण बहुत की सरकार बना सकती है। इस सर्वेक्षण में आप को 21 से 31 और कांग्रेस को 0-1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है।

'पीपुल्स इनसाइट' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि भाजपा को 40-44 सीट मिल सकती हैं। उसका अनुमान है कि आप को 25-29 तथा कांग्रेस को 0-2 सीट मिल सकती हैं।

'पीपुल्स प्लस' के एग्जिट पोल में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया है। इसके अनुसार, भाजपा को 51-60 सीट मिल सकती हैं तो आप को सिर्फ 10-19 सीट से ही संतोष करना पड़ सकता है। इस सर्वेक्षण में कहा गया है कि कांग्रेस का लगातार तीसरे विधानसभा चुनाव में खाता खुलने की संभावना नहीं है।

'पोल डायरी' के सर्वेक्षण का अनुमान है कि भाजपा को 42-50 सीट मिल सकती हैं तथा आप 18-25 सीट के साथ सत्ता से बाहर हो सकती है।सर्वेक्षण में कांग्रेस को 0-2 सीट मिलने का अनुमान जताया गया है।

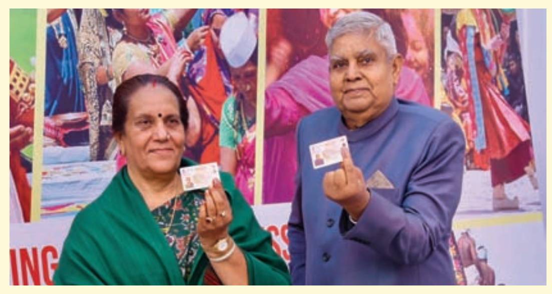

लोकतंत्र के लिए मतदान ऑक्सीजन की तरह है : धनखड़

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को मतदान को लोकतंत्र के लिए ऑक्सीजन की तरह बताया और कहा कि मताधिकार का इस्तेमाल लोगों को दिया गया सबसे बड़ा अधिकार है।

धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए यहां अपना वोट डाला।

बाद में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मतदान लोकतंत्र की ऑक्सीजन है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र का आधार मतदान है और मतदान ही सभी अधिकारों की जननी है। इससे ऊपर कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी सार्थक है जब प्रत्येक व्यक्ति विवेकपूर्ण और स्वतंत्र रूप से अपना वोट डाले।

धनखड़ ने कहा, भारत दुनिया के लिए एक उदाहरण है। यह सबसे पुराना लोकतंत्र है, सबसे बड़ा लोकतंत्र है, सबसे मजबूत लोकतंत्र है, सबसे जीवंत लोकतंत्र है, जहां सत्ता में परिवर्तन या शासन में स्थिरता केवल मतदान के माध्यम से ही स्पष्ट होती है।

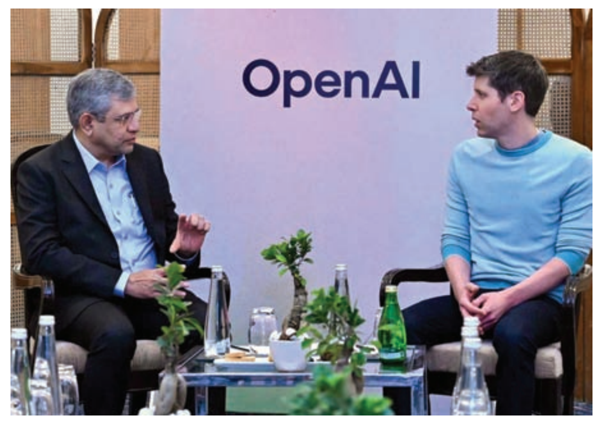

'भारत में भी कम लागत वाले एआई मॉडल बनाने की क्षमता'

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कम लागत पर कृत्रिम मेधा (एआई) का विकास करने की भारत की नवाचार क्षमता दर्शाने के लिए बुधवार को बेहद कम लागत पर संचालित 'चंद्रयान-3' का जिक्र किया।

दिग्गज एआई कंपनी ओपनएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम आल्टमैन के साथ एक पैनल चर्चा में वैष्णव ने चंद्रयान-3 अभियान का हवाला दिया।

वैष्णव ने कहा, ''हमारे युवा उद्यमी, स्टार्टअप, शोधकर्ता वास्तव में नवाचार का वह अगला स्तर हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिससे लागत कम होगी। हमारे देश ने कई अन्य देशों की तुलना में बहुत कम लागत पर चंद्रमा पर यान भेजा।''

भारत के चंद्रयान-3 अभियान पर 600 करोड़ रुपये की लागत आई थी जबकि अन्य देशों ने चंद्रमा पर अपने अंतरिक्ष यान भेजने पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं।

चैटजीपीटी टूल बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के संस्थापक आल्टमैन ने दो साल पहले कम लागत वाले आधारभूत मॉडल के विकास की भारत की क्षमता पर सवाल उठाए थे। लेकिन अब आल्टमैन का नजरिया बदल गया है और वह भारत को एआई क्रांति में एक संभावित अगुवा के रूप में देखने लगे हैं।

वैष्णव ने कहा कि भारत अब एआई विकास की पूरी पारिस्थितिकी तैयार करने पर काम कर रहा है, जिसमें खुद चिपसेट बनाना, कम लागत पर कंप्यूटिंग सुविधा प्रदान करना और साथ ही डेटा सेट पर काम करना शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धा के साथ किया त्रिवेणी में स्नान

मां गंगा का आशीर्वाद पाकर असीम शांति और संतोष मिला : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुम्भ में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर पूरी दुनिया को एकता का संदेश दिया।

वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पावन डुबकी लगाने से पहले प्रधानमंत्री ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान वह रुद्राक्ष की माला का जप करते भी नजर आए। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की अराधना करते हुए उन्होंने

पावन डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद उन्होंने गंगा पूजन और आरती भी की।

इससे पूर्व प्रधानमंत्री के प्रयागराज आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया।

त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले प्रधानमंत्री ने सबसे पहले आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर सूर्य को अर्घ्य दिया और तर्पण भी किया। संगम स्नान के बाद उन्होंने पूरे विधि विधान से पूजन अर्चन भी किया। काले कुर्ते और भगवा पटके व हिमांचली टोपी पहने प्रधानमंत्री मोदी ने वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच संगम त्रिवेणी में अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, फल और लाल चुनरी अर्पित की। इसके बाद उन्होंने संगम स्थल पर तीनों पावन नदियों की आरती भी उतारी। वहा मौजूद तीर्थ पुरोहित ने उनका टीका लगाकर अभिनंदन किया। पूजन अर्चन के बाद पीएम मोदी, मुख्यमंत्री के साथ उसी बोट पर बैठकर वापस हैलीपैड की ओर रवाना हो गए।

हिंदू समाज तभी 'फल-फूल' सकता है, जब वह एकजुट हो : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पत्तनमथिट्टा/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि हिंदू समाज तभी फल-फूल सकता है, जब वह एकजुट हो। उन्होंने सभी हिंदुओं को उनकी जाति, क्षेत्र या भाषा से परे एक मानने का आह्वान किया।

केरल के पत्तनमथिट्टा में चेरुकोलपुझा हिंदू धार्मिक सम्मेलन के हिस्से के रूप में आयोजित हिंदू एकता सम्मेलन में भागवत ने कहा कि एकजुट समाज फलता-फूलता है, जबकि खंडित समाज मुरझा जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदू होना एक स्वभाव है, जिसमें लोग पढ़ाई-लिखाई का इस्तेमाल ज्ञान बढ़ाने के लिए, धन का इस्तेमाल दान के लिए और ताकत का इस्तेमाल कमजोरों की मदद करने के लिए करते हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हिंदू धर्म में कोई भी श्रेष्ठ या निम्न नहीं है; जाति कोई मायने नहीं रखती और छुआछूत के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने सभी हिंदुओं से एक-दूसरे का सम्मान करने का आग्रह किया और कहा कि अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो इससे दुनिया को फायदा होगा।

भागवत ने एकजुट होने के तरीके भी सुझाए, जिनमें खुद को पहचानना, सभी के साथ समान बर्ताव करना और पर्यावरण की रक्षा करना शामिल है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के लिए नीतिगत बदलावों में समय लगेगा, लेकिन लोग तीन छोटी चीजें कर सकते हैं : पानी बचाएं, पेड़ लगाएं और प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करें।

आरएसएस प्रमुख ने परिवारों में संस्कारों के महत्व पर चर्चा का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि इससे केरल में मादक पदार्थों की लत की समस्या से निपटने में मदद मिल सकती है।

भागवत ने कहा, हमारे युवा नशे के आदी क्यों हैं? ऐसा इसलिए है, क्योंकि घर में कोई 'संस्कार' नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर सभी लोग एकजुट होकर काम करें, तो हिंदू एकता हासिल की जा सकती है। पूरी दुनिया इंतजार कर रही है कि हिंदुस्तान उनका मार्ग दर्शन करे।

06-02-2025 सूर्यास्त 6:22 बजे | सूर्योदय 07-02-2025 6:44 बजे

BSE	NSE
78,271.28	23,696.30
(-312.53)	(-42.95)

सोना	चांदी
8,773 रु.	97,759 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

ट्रंप ने गाजा पट्टी पर अमेरिकी 'स्वामित्व' का सुझाव दिया

ट्रंप के सुझाव को समर्थकों और विरोधियों ने खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। गाजा पट्टी पर अमेरिका का 'स्वामित्व' स्थापित करने और फलस्तीनी निवासियों को स्थायी रूप से गाजा से बाहर कहीं और बसाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव को अमेरिकी समर्थकों के अलावा विरोधियों ने भी बुधवार को खारिज कर दिया और इसकी निंदा की।

ट्रंप का सुझाव व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में आया और राष्ट्रपति द्वारा अपनी योजना पेश करने के दौरान नेतन्याहू कई बार मुस्कराए।

इस दौरान ट्रंप ने गाजा पट्टी पर अमेरिका के 'स्वामित्व' और फलस्तीनियों के लिए गाजा पट्टी से बाहर नई बस्तियां बनाने का सुझाव दिया ताकि युद्धग्रस्त क्षेत्र

■ ट्रंप का सुझाव व्हाइट हाउस में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में आया

का 'पश्चिम एशिया के तट' के रूप में पुनर्विकास किया जा सके।

ट्रंप ने कहा, अमेरिका गाजा पट्टी पर स्वामित्व स्थापित कर लेगा और हम इसके साथ काम भी करेंगे। हम इसके स्वामी होंगे और इस स्थल पर सभी खतरनाक और जिंदा बमों और अन्य हथियारों को नष्ट करने और नष्ट हुई इमारतों को हटाने, इसे समतल करने तथा आर्थिक विकास करने के लिए जिम्मेदार होंगे जो असीमित संख्या में नौकरियां उपलब्ध कराएगा।

यह टिप्पणी इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौते के बीच आई है। इस समझौते के तहत चरमपंथी समूह हमास इजराइली जेलों में बंद अपने लोगों की रिहाई के बदले में बंधकों को सौंप रहा है।

मिस्र, जॉर्डन और पश्चिम एशिया के अन्य अमेरिकी सहयोगियों ने पहले ही गाजा से 20 लाख से अधिक फलस्तीनियों को इस क्षेत्र से बाहर कहीं और स्थानांतरित करने के विचार को खारिज कर दिया है।

अमेरिका के अहम सहयोगी सऊदी अरब ने गाजा पट्टी पर स्वामित्व हासिल करने के ट्रंप के विचार पर तीखे शब्दों में तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की।

चीन के साथ दोस्ती खत्म नहीं होगी: पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी

बीजिंग/भाषा। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बुधवार को कहा कि चीन के साथ उनके देश की दोस्ती में उतार-चढ़ाव आए हैं, लेकिन आतंकवादी हमलों से यह टूटेगी नहीं। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ वार्ता की शुरुआत में उन्होंने कहा,''पाकिस्तान और चीन हमेशा दोस्त रहेंगे, स्थायी दोस्त। उन्होंने कहा, चाहे दुनिया में कितना भी आतंकवाद हो, कितने भी मुद्दे क्यों न सामने आएं, चीन के लोगों के साथ मैं खड़ा रहूंगा, पाकिस्तान के लोग खड़े रहेंगे। चीन की अरबों डॉलर की 'बेल्ट एंड रोड' पहल के तहत हजारों चीनी श्रमिक पाकिस्तान में सड़क और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य व्यापारिक मार्गों में सुधार करना और शेष विश्व के साथ चीन के संबंधों को गहरा करना है। हाल के वर्षों में हुए हमलों में चीनी श्रमिकों को भी निशाना बनाया गया है जिनमें पिछले वर्ष दो अलग-अलग हमलों में मारे गए सात लोग भी हैं। इन हमलों के मद्देनजर चीन में इन श्रमिकों को लेकर चिंता बढ़ गई है।

अमेरिका से निर्वासित 104 भारतीयों को लेकर आया विमान अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। अमेरिका का एक सैन्य विमान 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर बुधवार दोपहर यहां श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि निर्वासित लोगों में से 30 पंजाब से, 33-33 हरियाणा और गुजरात से, तीन-तीन महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से तथा दो चंडीगढ़ से हैं। निर्वासित लोगों की संख्या के बारे में आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है।

इससे पहले की खबरों में दावा किया गया था कि 205 अवैध प्रवासियों को लेकर अमेरिका का सैन्य विमान सी-17 रवाना हुआ है।

विमान दोपहर 1.55 बजे यहां उतरा। हवाई अड्डे के बाहर भारी संख्या में अवरोधक लगाए गए थे और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी

तैनात किए गए थे। यह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीय प्रवासियों का पहला दल है, जिन्हें अमेरिकी सरकार ने निर्वासित किया है।

सूत्रों के मुताबिक, निर्वासित लोगों को सत्यापन और पृष्ठभूमि जांच के बाद घर जाने की अनुमति दी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि पुलिस आपराधिक रिकॉर्ड वाले किसी भी निर्वासित व्यक्ति की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को बताया था कि राज्य सरकार प्रवासियों के लिए हवाई अड्डे पर काउंटर स्थापित करेगी। पंजाब के प्रवासी मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने मंगलवार को अमेरिकी सरकार के फैसले पर निराशा व्यक्त की और कहा कि इन लोगों ने उस देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दिया इसलिए इन्हें निर्वासित करने के बजाय स्थायी निवास प्रदान किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि कई भारतीय वर्क परमिट पर अमेरिका में प्रवेश करते हैं, जो बाद में समाप्त हो जाता है, जिस कारण वे अवैध अप्रवासी बन जाते हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सँभल जाओ

हर चैनल पर अब गूंज रहा,
हिन्दू-मुस्लिम अलगाव राग।
चर्चा में है हर तरफ आज,
महाकुंभ का तीर्थ प्रयाग।
डस रहा मुल्क की खुशहाली,
नफरत का ये विष भरा नाग।
सौहार्द मिट गया फिर से तो,
ना धुल पायेंगे घृणित दाग।।

दिल्ली विस चुनाव : भाजपा व आप ने अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में फर्जी मतदान के आरोप लगाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के तहत बुधवार को जारी मतदान के बीच भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) ने राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में फर्जी मतदान के आरोप लगाए।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने दोपहर के समय 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मतदान प्रक्रिया ''सुचारू रूप से'' चल रही है। सीईओ ने कहा कि 'मॉक पोल' और वास्तविक मतदान के दौरान कुछ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) बदली गई हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त ईवीएम हैं। अधिकारियों के साथ एक मजबूत तकनीकी टीम ईवीएम से संबंधित समस्याओं को तुरंत सुलझा रही है। सीलमपुर में उस वक्त नाटकीय स्थिति देखने को मिली जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने बुर्का पहनी कुछ महिलाओं पर फर्जी तरीके से मतदान का प्रयास करने का आरोप लगाया। हालांकि पुलिस ने इलाके में किसी तरह के फर्जी मतदान से इनकार किया है।

वहीं, कस्तूरबा नगर में पुलिस सूत्रों ने बताया कि दो लोगों ने फर्जी तरीके से मतदान करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि दोनों लोगों को पकड़ लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। सीलमपुर में भाजपा द्वारा फर्जी मतदान के आरोपों के बाद एक मतदान केंद्र के बाहर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने नारेबाजी शुरू

कर दी। दिल्ली पुलिस ने हालांकि इलाके में सुरक्षा बल तैनात होने का हवाला देते हुए आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस और अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया है। सीलमपुर निवासी सफदर अली ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि भाजपा उम्मीदवार अनिल गौड़ आए और कहा कि लोग फर्जी तरीके से मतदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने उनसे पूछा कि जब मतदान से पहले, कई दौर की जांच से गुजरना होता है तो यह कैसे संभव है। अधिकारी सभी मतदाताओं के पहचान पत्र की जांच कर रहे हैं और केवल वैध मतदाताओं को ही बूथ के अंदर जाने की अनुमति दे रहे हैं। अली ने कहा, बाद में वह चले गए और अब प्रशासन और सुरक्षाकर्मियों के कारण यहां स्थिति सामान्य है। इस बीच, आप' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि जंगपुरा के एक घर से पैसे बांटे जा रहे हैं और उन्होंने इस कथित कृत्य का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) अंकित चौहान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सराय काले खां में मतदाताओं को पैसे देने के आरोपों की तुरंत जांच की गई। चौहान ने कहा कि पुलिस ने एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट और एक उड़न दस्ते की टीम के साथ शिकायत की पूरी तरह से पुष्टि की और आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला। ग्रेटर कैलाश से आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि पुलिस ने चिराग दिल्ली इलाके में अवरोधक लगाए हैं और लोगों को मतदान करने से रोका जा रहा है। उन्होंने 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया जिसमें एक महिला एक बैरिकेड के पास ऑटोरिक्शा में अकेली बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदान केंद्र तक पहुंच को बाधित करने के लिए जानबूझकर महिला को रोककर रखा गया। डीसीपी चौहान ने कहा कि केवल बुजुर्गों और जो लोग चलने में असमर्थ हैं, उन्हें ही वाहनों से मतदान केंद्र तक जाने की अनुमति दी गई, लेकिन अन्य लोगों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 200 मीटर के दायरे के बाहर ही रोक दिया गया।

दिल्ली चुनाव : पहली बार के मतदाताओं का महिला सुरक्षा, युवाओं के लिए रोजगार पर जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने वाले मतदाताओं ने महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण, रोजगार के बेहतर अवसर व राष्ट्रीय राजधानी के समग्र विकास पर जोर दिया।

कालकाजी के एक मतदान केंद्र पर पहली बार वोट डालने वाली प्रिया शर्मा (19) ने कहा, मैं लोकतंत्र के महत्व के बारे में सुनकर बड़ी हुई हूं, लेकिन मतदान में हिस्सा लेना बिल्कुल अलग और आनंददायक अनुभव है। प्रत्येक वोट मायने रखता है और अब मैं हमारे भविष्य को आकार देने की कवायद का हिस्सा हूं। यह मेरे जीवन में आए एक नए मोड़ जैसा लगता है। माता सुंदरी कॉलेज की बीबीए प्रथम वर्ष की छात्रा और गोल मार्केट निवासी कशिश ने पहली बार वोट डालने का उत्साह साझा किया। उसने कहा, मेरे कॉलेज में, हम सभी दोस्त मतदान में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक थे। मैं यहां महिलाओं के लिए बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से वोट करने आई हूं। मैं अपनी मां के साथ अकेली रहती हूं और कभी-कभी यह मुश्किल हो सकता है। महिलाओं को हर समय अपनी सुरक्षा की चिंता नहीं सतानी चाहिए। विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहली बार के कई मतदाताओं ने भी कुछ इसी तरह की राय जाहिर की।

उन्होंने कहा कि वोट डालना सिर्फ उनका नागरिक कर्तव्य भर नहीं है, बल्कि समाज को आकार देने और लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाने की दिशा में बढ़ाया गया एक मजबूत कदम भी था।

धनंजय मुंडे, कराड के बीच 'वित्तीय संबंधों' की जांच करे ईडी : शिवसेना (उबाठा) नेता दानवे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता व सरकार में मंत्री धनंजय मुंडे और उनके सहयोगी वाल्मिक कराड के बीच कथित वित्तीय संबंधों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से कराने की मांग की है।

दानवे ने हाल ही में धन शोधन मामले में जमानत पाने वाले शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (उबाठा) नेता सूरज चव्हाण का जिक्र करते हुए मंगलवार को यहां कहा कि चव्हाण पर महज कुछ लाख रुपए के कथित घोटाले की जांच की जा रही है। शिवसेना (उबाठा) नेता दानवे ने कहा, जब करोड़ों रुपए की इतनी सारी चीजें (आरोप) सामने आ रही हैं, तो धनंजय मुंडे और वाल्मिक कराड के बीच वित्तीय संबंधों की भी ईडी द्वारा जांच होनी चाहिए। बीड जिले में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से संबंधित जबरन वसूली के मामले में मुंडे के करीबी सहयोगी कराड की गिरफ्तारी के बाद विपक्ष राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर उन्हें बर्खास्त करने का दबाव बना रहा है। राकांपा नेता ने अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार किया है, जिसमें उनके और कराड के बीच व्यापारिक संबंधों से जुड़े आरोप भी शामिल हैं।

दानवे ने इस बीच यह भी दावा किया कि जब मुंडे पिछली सरकार में कृषि मंत्री थे, तो कई अधिकारी ठीक से काम नहीं कर पाते थे क्योंकि कृषि विभाग को धनंजय मुंडे और वाल्मिक कराड चला रहे थे।

निजी लोगों के लिए परमाणु क्षेत्र को खोलने का निर्णय क्रांतिकारी : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने का भारत का निर्णय एक क्रांतिकारी कदम है, जिससे परमाणु ऊर्जा देश की ऊर्जा आवश्यकताओं के मुख्य स्रोतों में से एक बन जाएगी। सिंह ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि केंद्रीय बजट में घोषित असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने का निर्णय भारत को 2070 तक 'नेट जीरो' उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी मदद करेगा, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 में ग्लासगो में जलवायु शिखर सम्मेलन में की थी।

परमाणु ऊर्जा विभाग के प्रभारी सिंह ने कहा, परमाणु क्षेत्र को खोलने का यह निर्णय आम बजट का सबसे क्रांतिकारी निर्णय है। यह दुनिया भर में चर्चा का विषय होगा। शनिवार को केंद्रीय बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2047 तक कम से कम 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का

विकास 'हमारे ऊर्जा स्रोत परिवर्तन के प्रयासों के लिए आवश्यक है'। उन्होंने कहा, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निजी क्षेत्र के साथ सक्रिय भागीदारी के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन किए जाएंगे। सिंह के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि परमाणु क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के निर्णय का देश में दूरगामी और रचनात्मक प्रभाव पड़ेगा। सिंह ने कहा, भविष्य में, परमाणु ऊर्जा भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के मुख्य स्रोतों में से एक के रूप में उभरेगी। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैकल्पिक स्रोत आवश्यक हैं। मंत्री ने कहा कि 2030 तक देश की 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं को स्वच्छ स्रोतों से पूरा किया जाएगा।

सरकार ने 150 उत्पादों के लिए गुणवत्ता अनुपालन को अनिवार्य किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने घरेलू उपकरणों से लेकर औद्योगिक सामाग्रियों समेत 150 उत्पादों के लिए गुणवत्ता अनुपालन को अनिवार्य किया है। इस पहल का मकसद कड़ी सुरक्षा के साथ प्रदर्शन मानदंड को सुनिश्चित करना है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि उसने बेहतर जागरूकता के उद्देश्य से 150 से अधिक उत्पादों को पहले ही सूचीबद्ध कर लिया है। इन अनिवार्य मानकों का दायरा अलग-अलग प्रवर्तन तिथियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है। बीआईएस इन आदेशों के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। सूची में वैक्यूम क्लीनर, स्टेनलेस स्टील के बर्तन और मालिश करने वाले उपकरणों सहित विभिन्न उत्पाद शामिल हैं। फर्नीचर उद्योग में, विनिर्माताओं को 'ब्लॉक बोर्ड, प्लाईवुड और लकड़ी के फ्लश दरवाजे जैसे उत्पादों के लिए गुणवत्ता मानदंडों का पालन करना होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) को घटिया वस्तुओं के आयात को रोकने और उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत उत्पादों की संख्या 2014 में 106 से बढ़कर अक्टूबर, 2024 तक 732 से अधिक हो गई है। यह कदम कम गुणवत्ता वाले आयात पर अंकुश लगाते हुए घरेलू विनिर्माण मानकों को बढ़ाने की भारत की व्यापक रणनीति के अनुरूप है।

वर्ष 2024 में 27 नए विदेशी खुदरा ब्रांड भारत आए: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज करने और लक्जरी वस्तुओं की बढ़ती उपभोक्ता मांग को पूरा करने के लिए वर्ष 2024 में 27 नए विदेशी खुदरा ब्रांड ने भारत में कदम रखा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने कहा कि कैलेंडर वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय मूल के 27 नए ब्रांड ने भारतीय बाजार में दस्तक दी, जो उसके एक साल पहले की तुलना में लगभग दोगुना है। वर्ष 2023 में 14 विदेशी खुदरा ब्रांड भारतीय बाजार में आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले चार वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मूल के कुल 60 खुदरा विक्रेताओं ने भारतीय उपभोक्ताओं को वैश्विक ब्रांड के लिए प्राथमिकता देने के इरादे से यहां कदम रखा है।

पिछले साल देश में खुदरा उपस्थिति दर्ज कराने वाली शीर्ष तीन खुदरा विक्रेता श्रेणियां सौंदर्य प्रसाधन एवं तंदरुस्ती, फुटवियर एवं बैग और फैशन एवं परिधान रहीं। जेएलएल के प्रमुख (कार्यालय पट्टा एवं खुदरा सेवाएं) और वरिष्ठ प्रबंध निदेशक (कर्नाटक, केरल) राहुल अरोड़ा ने कहा, भारत ने अंतरराष्ट्रीय खुदरा विक्रेताओं का महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है, जिन्होंने पिछले चार वर्षों में देश में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के अपने प्रयासों को लगातार बढ़ाया है। पिछले साल भारत आने वाले 27 अंतरराष्ट्रीय ब्रांड में 56 प्रतिशत ईएमईए क्षेत्र (यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका) से आए थे। खासकर फ्रांसीसी और इतालवी खुदरा विक्रेताओं ने उल्लेखनीय प्रगति की। अरोड़ा ने कहा, दिल्ली-एनसीआर इनमें से आधे अंतरराष्ट्रीय खुदरा विक्रेताओं के लिए अपने उद्घाटन स्टोर खोलने के पसंदीदा स्थान के रूप में उभरा। इसके बाद मुंबई का स्थान है। लक्जरी रिटेलर भारत में अपने विस्तार में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं, खासतौर पर फैशन और परिधान क्षेत्र में, जो साल के दौरान लीज पर दिए गए कुल लक्जरी स्थल का लगभग आधा हिस्सा है।

मुफ्त राशन ले रहे अपात्र लोगों की छंटनी के लिए आयकर विभाग साझा करेगा आंकड़े

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (पीएमजीकेएवाई) के तहत अपात्र लोगों को लाभार्थियों की सूची से हटाने के लिए आंकड़ों को खाद्य मंत्रालय के साथ साझा करेगा। पीएमजीकेएवाई के तहत उन गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाता है जो आयकर का भुगतान नहीं करते हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पीएमजीकेएवाई के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो चालू वित्त वर्ष के 1.97 लाख करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान से अधिक है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को देश में कोविड-19 महामारी से हुए आर्थिक गतिरोधों के कारण गरीबों और जरूरतमंदों को होने वाली मुश्किलें कम करने के विशिष्ट उद्देश्य से शुरू किया गया था। हालांकि, सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की अवधि एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए बढ़ा दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने एक कार्यालय आदेश में कहा है कि आयकर महानिदेशक (सिस्टम) को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) के संयुक्त सचिव को जानकारी देने का अधिकार होगा।

इंदौर में तीन ''ट्रांसवुमन'' को सरेआम पीटा, बेइज्जत करके बाल काटे

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में तीन ट्रांसवुमन को सरेआम पीटने और बाल काटकर उन्हें बेइज्जत करने के आरोपों में तृतीय लिंग के अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ट्रांसवुमन यानी ऐसे लोग जिन्हें जन्म के समय पुरुष माना गया था, लेकिन उनकी लैंगिक पहचान महिला की होती है और वे खुद को महिला के तौर पर सहज महसूस करते हैं। पुलिस ने बताया कि तृतीय लिंग के लोगों के एक समूह ने 19 से 22 साल के बीच की उम्र वाली तीन ''ट्रांसवुमन'' के साथ शहर के राजबाड़ा क्षेत्र में 25 जनवरी को मारपीट की, जब वे वहां खरीदारी के लिए गई थीं। उन्होंने प्राथमिकी के हवाले से बताया कि इस समूह ने ट्रांसवुमन द्वारा महिलाओं की तरह श्रृंगार करने पर आपत्ति जताते हुए उनसे पूछा कि वे असली ट्रांसजेंडर हैं या नकली?

आईसीएमआर ने बर्ड फ्लू रोधी टीके के विकास की प्रक्रिया शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) से बचाव में कारगर स्वदेशी टीके के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एच5एन1 बर्ड फ्लू वायरस का बेहद संक्रामक स्वरूप है, जो भारत में पशु एवं मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है।

आईसीएमआर ने एच5एन1 संक्रमण से बचाव में कारगर टीके के निर्माण के लिए अनुसंधान एवं विकास में सहयोग के वास्ते पात्र संगठनों, कंपनियों, निर्माताओं से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आवेदन आमंत्रित किए हैं। ईओआई आमंत्रण से जुड़े दस्तावेज में कहा गया है कि 2021, 2023 और 2024 में कई राज्यों में एच5एन1 संक्रमण के प्रकोप की सूचना मिली है, जिससे मुख्य रूप से पोल्ट्री और

जंगली पक्षी प्रभावित हुए हैं।

इसमें कहा गया है कि एच5एन1 संक्रमण के प्रकोप से पोल्ट्री उद्योग को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है और वायरस के जूनोटिक पोटेंशियल यानी मानव आबादी को संक्रमित करने की क्षमता के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं भी पैदा हुई हैं। दस्तावेज के मुताबिक, एच5एन1 संक्रमण अपनी उच्च मृत्यु दर और वैश्विक महामारी को जन्म देने की क्षमता के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर भले ही इंसानों में एच5एन1 संक्रमण के प्रसार के छिटपुट मामले ही सामने आते हैं, लेकिन इनसे मनुष्य को संक्रमित करने और गंभीर लक्षणों को जन्म देने की वायरस की क्षमता उजागर होती है।

वित्त मंत्रालय का अपने अधिकारियों को एआई टूल का इस्तेमाल न करने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल को लेकर तेज होती चर्चाओं के बीच वित्त मंत्रालय ने अपने अधिकारियों को कार्यालय के कंप्यूटर एवं अन्य उपकरणों में चैटजीपीटी और डीपसीक जैसे एआई टूल एवं ऐप को डाउनलोड न करने का निर्देश दिया है।

यह कदम सरकारी डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता से जुड़े जोखिम को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। मंत्रालय ने पिछले महीने अपने सभी विभागों को भेजे एक संदेश में कहा है कि कार्यालय के कंप्यूटर एवं फोन उपकरणों में एआई टूल और एआई ऐप के इस्तेमाल से सख्ती से परहेज किया जाना चाहिए। व्यय विभाग ने 29 जनवरी को एक वक्तव्य में कहा, यह तय किया गया है कि कार्यालय के कंप्यूटर और उपकरणों में एआई टूल और चैटजीपीटी एवं डीपसीक जैसे एआई ऐप का इस्तेमाल सरकार, डेटा और दस्तावेजों की गोपनीयता के लिए जोखिम पैदा करते हैं। भारत सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब ऑस्ट्रेलिया और इटली जैसे देशों ने गोपनीयता और डेटा सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए अपने आधिकारिक सिस्टम को चीनी एआई कंपनी डीपसीक से संरक्षित करने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री को स्वीकार करना चाहिए कि 'मेक इन इंडिया' विफल है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मेक इन इंडिया' का उल्लेख तक नहीं किया, जबकि उन्हें स्वीकार करना चाहिए कि एक अच्छी पहल होने के बावजूद यह विफल है।

उन्होंने यह भी कहा कि उत्पादन और प्रौद्योगिकी के संदर्भ में चीन का मुकाबला करने के लिए दूरदर्शिता और रणनीति की जरूरत है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री जी, आपने अपने भाषण में 'मेक इन इंडिया' का जिक्र तक नहीं किया। प्रधानमंत्री को यह स्वीकार करना चाहिए कि 'मेक इन इंडिया' एक अच्छी पहल होने के बावजूद असफल है।

विनिर्माण क्षेत्र में 2014 में सकल घरेलू उत्पाद 15.3 प्रतिशत था जो गिरकर 12.6 प्रतिशत हो गया है, यह पिछले 60 वर्षों में सबसे कम है।

उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं को नौकरियों की सख्त जरूरत है तथा हाल के समय में कोई भी सरकार, चाहे संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) हो या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग, इस राष्ट्रीय चुनौती का बड़े पैमाने पर सामना करने में सक्षम नहीं रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा, हमें इस बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है कि हमारे विनिर्माण क्षेत्र को किस चीज़ ने पीछे धकेल रखा है और इसे भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था में

प्रतिस्पर्धी होने के लिए तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत में उत्पादन के इस दृष्टिकोण में इलेक्ट्रिक मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स और एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

राहुल गांधी के अनुसार, यह हमारे विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्जीवित करने, अत्याधुनिक विनिर्माण क्षमता विकसित करने और हमारे लिए आवश्यक नौकरियां पैदा करने का एकमात्र तरीका है। उन्होंने कहा, चीन हमसे 10 साल आगे है और उसके पास एक मजबूत औद्योगिक प्रणाली है। यही बात उन्हें हमें चुनौती देने का आत्मविश्वास देती है। उनके साथ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करने का एकमात्र तरीका हमारी अपनी उत्पादन प्रणाली का निर्माण करना है और इसके लिए हमें दूरदर्शिता और रणनीति की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में हुई चर्चा का मंगलवार को जवाब दिया। उन्होंने विपक्ष पर हताश होने का आरोप लगाते हुए कहा था, योजनाबद्ध तरीके से, समर्पित भाव से, अपनेपन की पूरी संवेदनशीलता के साथ जब गरीबों के लिए जीवन खपाया जाता है तब यह होता है। हमने गरीब को झूठे नारे नहीं, सच्चा विकास दिया।

उन्होंने हाल में बजट में वेतनभोगियों के लिए 12 लाख रुपए तक सालाना आय पर आयकर छूट का जिक्र करते हुए कहा था कि बजट में एक अन्य महत्वपूर्ण घोषणा परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र को प्रवेश देने के बारे में है, जिस पर लोगों ने अधिक ध्यान नहीं दिया।

मोदी ने कहा था सरकार ने युवाओं के लिए कई क्षेत्रों को खोला है जिसमें अंतरिक्ष क्षेत्र, रक्षा क्षेत्र के साथ सेमीकंडक्टर मिशन लाना शामिल है।

प्रधानमंत्री ने एआई, थ्रीडी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स और वर्चुअल रियलिटी का जिक्र करते हुए कहा था, हम गेमिंग के महत्व पर जोर देने वाले हैं। मैंने युवाओं से कहा है कि दुनिया की गेमिंग राजधानी भारत क्यों नहीं बने।

हमारे साथ काम करने के लिए किसी ने कोई पैसे नहीं दिए : चीफ ऑफ स्टाफ पद की नियुक्ति पर जोमैटो के सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जोमैटो के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने बुधवार को कहा कि कंपनी को 'चीफ ऑफ स्टाफ' पद के लिए 18,000 से अधिक आवेदन मिले, जिनमें से 30 उम्मीदवारों को विभिन्न पदों की पेशकश की गई है। उन्होंने साथ ही स्पष्ट किया कि '' हमारे साथ काम करने के लिए किसी ने कोई पैसा नहीं दिया।

कंपनी नवंबर में 'चीफ ऑफ स्टाफ' के पद के लिए असामान्य मापदंड रखने के लिए बाद विवादों में आ गई थी। सीईओ ने इस पद पर नियुक्ति के लिए संभावित उम्मीदवारों से पहले वर्ष 20 लाख रुपए का भुगतान करने को कहा था, जिसे गैर-लाभकारी 'फीडिंग इंडिया' को

दान देने की बात कही गई थी। साथ ही कंपनी ने उम्मीदवार की पसंद के किसी संगठन को 50 लाख रुपए दान देने की भी पेशकश की थी।

गोयल ने दावा किया था कि यह भूमिका '' किसी शीर्ष प्रबंधन स्कूल से प्राप्त 2-वर्षीय डिग्री की तुलना में 10 गुना अधिक सीखने का अवसर प्रदान करेगी और इसमें मेरे तथा उपभोक्ता प्रौद्योगिकी के कुछ सबसे बुद्धिमान लोगों के साथ काम करना का अवसर भी मिलेगा।

हालांकि उन्होंने बुधवार को बताया कि चयनित 30 लोगों में से 18 पहले ही जोमैटो (और ब्लिंकिट जैसी अन्य समूह कंपनियों) में ''उच्च प्रभावी भूमिकाओं'' पर शामिल हो चुके हैं और उनके द्वारा लाए गए मूल्य के लिए ''उन्हें अच्छा पारिश्रमिक दिया जा रहा है।

गोयल ने कहा कि 18 लोगों में से चार सीधे उनके साथ काम करते हैं और उनमें से दो 'चीफ ऑफ स्टाफ' की भूमिका में हैं। उन्होंने कहा, हमारा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। 18,000 से अधिक आवेदनों के साथ, हम अब भी इस अद्भुत प्रतिभावान लोगों को सावधानीपूर्वक छांट रहे हैं। यह सिर्फ एक बार की भर्ती नहीं है, यह उन लोगों में एक दीर्घकालिक निवेश है जो हमारे साथ भविष्य का निर्माण करेंगे। हम धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से सही लोगों तक पहुंचते रहेंगे।

मैं महाकुंभ मेले में जाऊंगा या नहीं, यह मेरी निजी आस्था का विषय है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में जाने की उनकी योजना उनकी व्यक्तिगत आस्था और श्रद्धा का हिस्सा है और किसी को भी उन पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। शिवकुमार की यह प्रतिक्रिया कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक की हालिया टिप्पणी पर आई है। अशोक ने महाकुंभ मेले का दौरा करने की शिवकुमार की योजना से जुड़ी खबरों पर टिप्पणी करते हुए इसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हालिया बयान से जोड़ने का प्रयास किया था।

खरगे ने सवाल किया था कि क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं में कैमरे के सामने डुबकी लगाने की होड़ मची हुई है। शिवकुमार ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, नेता प्रतिपक्ष (अशोक) को लगता है कि मेरे खिलाफ टिप्पणी करके उन्हें पार्टी में सम्मान मिलेगा। जिसे जो कहना है, कहने दें। यह हमारे धर्म-कर्म, हमारे रीति-रिवाजों, परंपराओं और मान्यताओं का मामला है।

उन्होंने कहा कि गंगा, कावेरी, कृष्णा, ब्रह्मपुत्र, अर्कावती और वृषभावती जैसी नदियों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। शिवकुमार ने कहा, पानी का कोई रंग या आकार नहीं होता और हर किसी को पानी की जरूरत होती है। लोग चाहे जो कहें । मुझे नहीं पता कि उनकी (अशोक की) समस्या क्या है। हो सकता है उन्हें कोई समस्या हो। किसी को भी मेरी

व्यक्तिगत आस्था के बारे में बोलने का अधिकार नहीं है। मेरी आस्था और भक्ति मेरा निजी मामला है।

अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में सवाल किया था, क्या खरगे अब नहीं पूछेंगे कि गंगा में स्नान करने से उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के सारे पाप धुल जाएंगे? क्या केपीसीसी (कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी) अध्यक्ष शिवकुमार के महाकुंभ मेले में डुबकी लगाते ही कर्नाटक में गरीबी खत्म हो जाएगी? शिवकुमार ने अपनी योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह महाकुंभ मेले में जाते हैं या नहीं, यह पूरी तरह से उनका फैसला होगा। उन्होंने कहा, यह मेरी व्यक्तिगत आस्था का मामला है। मैं जाऊं या न जाऊं, यह मेरा निजी मामला है।

खरगे की टिप्पणी से जुड़े सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा, उन्होंने (खरगे) यह बात एक खास संदर्भ में कही थी, तो मीडिया इसे मुद्दा क्यों बना रहा है? शिवकुमार ने कहा, प्रधानमंत्री के महाकुंभ मेले में शामिल होने पर अशोक को टिप्पणी करने दीजिए, मुझे नहीं। मैं जाऊं या न जाऊं, यह मेरी व्यक्तिगत आस्था का मामला है। उन्हें इस पर टिप्पणी करने दीजिए कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री (अमित शाह) और देश-दुनिया के विभिन्न नेताओं का महाकुंभ में आना सही है या नहीं।

बेंगलूरु में दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की योजना के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगले हफ्ते ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट के बाद इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे बुनियादी ढांचा मंत्री (एम बी पाटिल) इस पर गौर कर रहे हैं। इस मुद्दे पर अभी तक मेरे और मुख्यमंत्री के साथ चर्चा नहीं हुई है और इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हालांकि, एक प्रारंभिक बैठक हुई है। 'ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट' के बाद मुख्यमंत्री और हम सभी चर्चा करेंगे तथा निर्णय लेंगे। बेंगलूरु में पानी की दर में वृद्धि के प्रस्ताव के बारे में शिवकुमार ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की अगली बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी।

वन विभाग ने मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए 'रेडियो कॉलर' विकसित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पर्यावरण मंत्री ईश्वर खांड्रे ने वन विभाग द्वारा तैयार केपी ट्रैकर की बुधवार को शुरुआत की। यह ट्रैकर एक स्वदेशी जीएसएम आधारित 'रेडियो कॉलर' है, जिसे हाथियों पर लगाया जाएगा। वन विभाग ने इस ट्रैकर को इन्फिक्शन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से हाथियों की निगरानी के लिए विकसित किया है ताकि मानव-हाथी संघर्ष को प्रभावी ढंग से कम किया जा सके। कर्नाटक में निर्मित लागत प्रभावी ये 'रेडियो कॉलर' तत्काल प्रयोग के लिए आसानी से उपलब्ध है।

अधिकारियों ने बताया कि इन्हें पर्यावरण अनुकूल चीजों का उपयोग कर बनाया गया है ताकि पारिस्थितिकी तंत्र पर कम प्रभाव पड़े। मंत्री ने कोडागु, चिक्कमगलुरु और हासन के रिहायशी इलाकों में हाथियों के घूमने की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि स्थानीय लोगों को अब हाथियों की गतिविधियों के बारे में जानकारी हथनियों पर लगाए गए 'रेडियो कॉलर' के माध्यम से दी जाएगी। हथनियां आमतौर पर झुंड का नेतृत्व करती हैं।

उन्होंने कहा कि इस पहल से हाथियों के आतंक को रोकने में मदद मिलने की उम्मीद है। ये 'रेडियो कॉलर' अब बांदीपुर और नागरहोल टाइगर रिजर्व के अधिकारियों को सौंप दिए गए हैं। खांडरे के अनुसार, कर्नाटक में हाथियों की संख्या 6,395 है, जो देश में सबसे अधिक है। चूंकि हाथियों की बढ़ती आबादी के अनुपात में वन क्षेत्र का विस्तार नहीं हो रहा है, इसलिए मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार हाथियों पर 'रेडियो कॉलर' लगाकर स्थानीय लोगों को समय पर सूचना देने के लिए काम कर रही है, जिससे मानव और हाथी दोनों की जान सुरक्षित रहेगी। मंत्री ने कहा, अब तक ये 'रेडियो कॉलर' दक्षिण अफ्रीका स्थित संगठन अफ्रीका वाइल्डलाइफ ट्रैकिंग (एडब्ल्यूटी) और जर्मनी स्थित संगठन वेक्टरोनिक से आयात किए जाते थे। ये कॉलर आसानी से उपलब्ध नहीं थे और प्रत्येक की कीमत 6.5 लाख रुपये थी लेकिन अब घरेलू स्तर पर विकसित रेडियो कॉलर की कीमत सिर्फ 1.80 लाख रुपये है।

प्रदर्शन

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीआईटीयू) के सदस्यों ने बुधवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में कथित जनविरोधी केंद्रीय बजट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री को इस साल बदलने की खबरें गलत, कांग्रेस ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

परमेश्व ने 15 नवंबर के बाद मुख्यमंत्री बदलने संबंधी अशोक की बार-बार की गई टिप्पणियों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, मैं उनसे (अशोक से) पूछना चाहता हूं कि उन्होंने ज्योतिष कब सीखा। मुझे नहीं पता कि किस प्रशिक्षण स्कूल ने उन्हें ज्योतिष सिखाया।

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने इस वर्ष के अंत में राज्य के मुख्यमंत्री को बदलने के दावों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में इस तरह के बदलाव का कोई संकेत नहीं है। वह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक के दावे का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को इस वर्ष 15 या 16 नवंबर तक बदल दिया जाएगा।

परमेश्वर ने 15 नवंबर के बाद मुख्यमंत्री बदलने संबंधी अशोक की बार-बार की गई टिप्पणियों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, मैं उनसे (अशोक से) पूछना चाहता हूं कि उन्होंने ज्योतिष कब सीखा। मुझे नहीं पता कि किस प्रशिक्षण स्कूल ने उन्हें ज्योतिष सिखाया। हमारी पार्टी में ऐसे किसी बदलाव के संकेत नहीं हैं। पिछले कुछ महीनों से कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हैं और मंत्रियों सहित कई सदस्यों ने इस मुद्दे पर मीडिया से खुलकर बात की है।

हालांकि, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सख्त निर्देशों के बाद ऐसी टिप्पणियों पर काफी हद तक कमी आई है। बेंगलुरू में दूसरे हवाई अड्डे की योजना के बारे में पूछे जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि संबंधित मंत्री एम बी पाटिल ने पहले ही तैयारी शुरू कर दी है और केंद्र को इस बारे में प्रस्ताव भेजा जाएगा।

कई अपील के बाद भी केंद्र रायचूर में एम्स की मंजूरी देने में विफल रहा : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री एन एस बोसराजू ने बुधवार को कहा कि 1,000 दिनों के अथक संघर्ष और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, मंत्रियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों की ओर से की गयी कई अपील के बावजूद, केंद्र रायचूर में एम्स की मंजूरी के संबंध में सकारात्मक जवाब नहीं दे पाया है।

बेसराजू ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार में मंत्री पद पर आसीन कर्नाटक के भाजपा नेता 'एनएचएम' और 'पीएम-एबीएचआईएम' योजनाओं के तहत स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि का महज सुझाव देकर राजनीतिक पैंतरेबाजी कर रहे हैं। राज्य के लघु सिंचाई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री बोसराजू ने प्रेसवार्ता में कल्याण कर्नाटक क्षेत्र की बार-बार उपेक्षा करने तथा वहां के लोगों के खिलाफ घोर अन्याय करने के लिए केंद्रीय भाजपा नेतृत्व की आलोचना की।

उन्होंने दावा किया, केंद्र सरकार व्यवस्थित रूप से रायचूर को उसके सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक विकास से वंचित कर रही है। हमारे संघीय ढांचे के अनुसार, केंद्र को हर राज्य के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करना है। लेकिन, जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, संघवाद के मूल सिद्धांतों को उलट दिया गया है। कर्नाटक की वैध मांगों के प्रति केंद्र की निरंतर उपेक्षा संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने रायचूर में एम्स को मंजूरी देने के लिए विभिन्न स्तरों पर दस से अधिक आधिकारिक अनुरोध किए हैं।

22 अगस्त, 2023 को, मेरे और रायचूर के प्रभारी मंत्री समेत एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की तथा एक औपचारिक अनुरोध सौंपा। बाद में, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को मंजूरी के लिए पत्र लिखा था।

द्रमुक ने भाजपा पर महाकुंभ में मृतकों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार महाकुंभ भगदड़ में हुई मौतों को छिपाकर और गलत आंकड़े पेश कर उत्तर प्रदेश सरकार को बचा रही है। द्रमुक ने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में 'असली भक्ति' होती तो उस कार्यक्रम में भाग लेने वाले भक्तों के लिए उचित व्यवस्था की जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। द्रमुक के मुखपत्र 'मुरासोली' ने 5 फरवरी को एक संपादकीय में आरोप लगाया, भाजपा और उसके सहयोगी अपनी भक्ति केवल मंदिर के बाहर और केवल राजनीति में दिखाते हैं। यही कारण है कि कुंभ महापर्व लापरवाही से आयोजित किया गया।

उसने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इन दुखद मौतों के लिए जिम्मेदार है। संपादकीय में आरोप लगाया गया कि मौत के मामलों की संख्या में वृद्धि की रिपोर्टिंग न करने के लिए मीडिया संस्थानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और समाचार रोक दिए गए थे। द्रमुक के मुखपत्र में लिखा गया, योगी सरकार ने 17 घंटों के बाद मौतों की संख्या 30 बताई। उसने कहा कि विपक्षी दलों को संसद में इस संबंध में सवाल उठाने की अनुमति नहीं दी गई। अखबार ने आरोप लगाया, उत्तर प्रदेश के कुंभ मेले में 48 लोगों की जान चली गई।

सूर्य किरण एरोबैटिक टीम 'एयरो इंडिया शो' में करेगी प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) बहुप्रतीक्षित 'एयरो इंडिया शो' में प्रदर्शन करेगी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 'एयरो इंडिया शो' 10 से 14 फरवरी तक बेंगलूरु के येलहांका वायुसेना स्टेशन पर आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि टीम में नौ हॉक एमके 132 विमान शामिल हैं, जो भारत में लाइसेंस प्राप्त हैं। उन्होंने बताया कि ये विमान पांच मीटर से भी कम की दूरी रखते हुए उड़ान भरते हैं। अधिकारियों ने बताया कि टीम में 14 पायलट शामिल हैं। उन्होंने बताया कि टीम का नेतृत्व ग्रुप कैप्टन अजय दसरथी करेंगे, जो कि सुखोई-3 एमकेआई के पायलट हैं। पीआईबी की रक्षा इकाई की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एसकेएटी को अपनी सटीकता, कौशल और टीमवर्क के लिए जाना जाता है और यह विशिष्ट टीम, कई अद्भुत युद्धाभ्यासों का प्रदर्शन करेगी।

बयान के अनुसार पायलटों को जटिल हवाई कलाबाजियों में निपुणता प्राप्त करने के लिए गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अनुसार, एसकेएटी की स्थापना 1996 में हुई थी। इस टीम को एशिया की एकमात्र नौ-विमान एरोबैटिक टीम होने का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त है और यह दुनिया की विशिष्ट एरोबैटिक टीमों में से एक है। बयान के अनुसार टीम ने पूरे भारत में 700 से अधिक प्रदर्शन किए हैं और साथ ही चीन, श्रीलंका, म्यांमा, थाईलैंड, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में अंतरराष्ट्रीय एयर शो में भारतीय वायु सेना की विशेषज्ञता को भी पेश किया है।

उत्सव

मंगलुरु में बुधवार को कार्स स्ट्रीट पर श्री वेंकटरमण मंदिर के कार उत्सव के हिस्से के रूप में ओकुली मनाते भक्त।

14 लाख रुपये के गहने चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु। पुलिस ने 37 वर्षीय एक चोर को 14 लाख रुपये मूल्य के गहने चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसने कथित तौर पर पहले चोरी किए पैसों से अपनी प्रेमिका के लिए तीन करोड़ रुपये का बंगला बनवाया था। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र के सोलापुर का रहने वाला पंचाक्षरी स्वामी शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। स्वामी लूटे गए पैसों को अन्य महिलाओं पर खर्च करता था। पुलिस का कहना है कि आरोपी पिछले दो दशकों से देशभर में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पंचाक्षरी स्वामी ने बेंगलूरु के मारुति नगर स्थित एक घर से 14 लाख रुपये के गहने चुराए थे। बेंगलूरु में 9 जनवरी को हुई चोरी में उसकी संलिप्तता 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की मदद से सामने आई। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के पास से 181 ग्राम सोने के बिस्किट, 33 ग्राम चांदी के गहने और एक हथियार बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, स्वामी ने 2003 में चोरी की शुरुआत की थी जब वह नाबालिग था।

न्यायालय ने विजय माल्या की याचिका पर बैंकों को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजय माल्या ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर दावा किया है कि बैंकों की ओर से वसूली गई राशि उनके द्वारा लिये गये कर्ज से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि बैंकों का उन पर 6,200 करोड़ रुपये का कर्ज है लेकिन इससे कई गुना अधिक वसूल किया जा चुका है।

बेंगलूरु। शराब कारोबारी विजय माल्या ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर दावा किया है कि बैंकों की ओर से वसूली गई राशि उनके द्वारा लिये गये कर्ज से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि बैंकों का उन पर 6,200 करोड़ रुपये का कर्ज है लेकिन इससे कई गुना अधिक वसूल किया जा चुका है। उन्होंने उनसे, यूनाइटेड ब्रुवरीज होल्डिंग्स लिमिटेड (यूबीएचएल, जो अब परिसमापन में है) और अन्य देनदारों से वसूल की गई राशि का ब्योरा देने संबंधी खातों का विवरण मांगा है। उच्च न्यायालय ने भगोड़े कारोबारी द्वारा तीन फरवरी को दायर याचिका के जवाब में बुधवार को बैंकों को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति आर देवदास ने बैंकों को 13 फरवरी तक जवाब देने का निर्देश दिया। माल्या का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने दलील दी कि किंगफिशर एयरलाइंस और उसकी होल्डिंग कंपनी यूबीएचएल के खिलाफ परिसमापन आदेश को उच्चतम न्यायालय समेत सभी न्यायिक स्तरों पर बरकरार रखा गया है। उन्होंने दलील दी कि ऋण पहले ही वसूल लिया गया है, फिर भी माल्या के खिलाफ अतिरिक्त वसूली की कार्रवाई जारी है। पूवैया ने अदालत को बताया कि ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) ने मुख्य देनदार के रूप में किंगफिशर एयरलाइंस और गारंटीकर्ता के रूप में यूबीएचएल को 6,200 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया था।

उन्होंने कहा, वह आदेश अंतिम रूप से लागू हो गया। हालांकि, 2017 से अब तक 6,200 करोड़ रुपये कई बार वसूल किए जा चुके हैं। एक स्वीकृत बयान के अनुसार, आज तक, वसूली अधिकारी ने पुष्टि की है कि 10,200 करोड़ रुपये वसूल किए गए हैं। इसके अलावा, आधिकारिक परिसमापक ने कहा है कि बैंकों ने अपना बकाया वापस पा लिया है और यहां तक कि वित्त मंत्री ने संसद को सूचित किया था कि 14,000 करोड़ रुपये वसूल किए गए हैं। परिसमापक वह व्यक्ति होता है जिसके पास कंपनी के बंद होने से पहले उसकी ओर से कार्य करने का कानूनी अधिकार होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि याचिका में ऋणों के पुनर्भुगतान पर विवाद नहीं किया गया है, बल्कि दलील दी गई है कि कंपनी अधिनियम के तहत, एक बार ऋण पूरी तरह से चुका दिए जाने के बाद गारंटीकर्ता कंपनी (यूबीएचएल) के पास कोई शेष देयता नहीं रहती है और पुनरुत्थान का अनुरोध किया जा सकता है। इस प्रक्रिया के लिए हालांकि वसूली अधिकारी से एक प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है जिससे पुष्टि होती है कि ऋण पूरी तरह से चुका दिया गया है, जिसे अभी तक जारी नहीं किया गया है। इस बीच, वसूली जारी है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि प्राथमिक ऋण का पूरा भुगतान हो चुका है या नहीं। याचिका में बैंकों से अनुरोध किया गया है कि वे 10 अप्रैल, 2017 को डीआरटी द्वारा जारी संशोधित वसूली प्रमाण पत्र के बाद, उनके पक्ष में वसूली गई राशि का विवरण देने के साथ-साथ इन वसूलियों के लिए इस्तेमाल की गई संपत्तियों के मूल मालिकों के बारे में जानकारी प्रदान करें।

इसके अतिरिक्त, इसमें माल्या, यूबीएचएल या तीसरे पक्ष से संबंधित किसी भी संपत्ति का रिकॉर्ड मांगा है जो बैंकों के पास है लेकिन अभी तक ऋण वसूली के लिए उपयोग नहीं किया गया है। याचिका में अंतरिम राहत के रूप में संशोधित वसूली प्रमाणपत्र के तहत बैंकों द्वारा भविष्य में किसी भी प्रकार की संपत्ति की बिक्री पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: 40 UBL 2024-25
दिनांक: 31.01.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: दक्षिण हुबली - करजगी (एसयूबीएल-केजेजी) विभाग: 12.8 किमी. की दूर के लिए प्रीकॉस्ट आरसीसी बाऊंडरी वॉल का निर्माण कार्य (दो पैकेट सिस्टम)।	रु. 15,77,05,924.00
2	हुबली विभाग: वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / केंद्रीय / हुबली क्षेत्राधिकार में कुसुगल डिपो पर बालास्ट का आपूर्ती (सूचना: बालास्ट प्रमाणपत्र)	रु. 5,46,19,688.00
3	हुबली विभाग: गदग - होटगी (जीडीजी-एचजी) विभाग: बॉक्स पुशिंग विधि के अनुसार इंडी रोड - लाछ्यान (आईडीआर-एलएचएन) के बीच किमी. 243/7-8 पर एलसी नं. 110 के बदले नियमित ऊंचाई सबवे का निर्माण कार्य (दो पैकेट सिस्टम)।	रु. 9,98,28,063.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 03.03.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय हुबली

PUB/760/AAMO/PRB/SWR/2024-25

South Western Railway - SWR | @SWRRLY | SWRRLY

समाज और राष्ट्र के लिए जो कार्य करते हैं वही महान होते हैं : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि जो अपने लिए नहीं संपूर्ण समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हैं वही सच्चे सम्मान के हकदार बनते हैं। वही महानता को प्राप्त कर पूजनीय होते हैं। उन्होंने बुधवार को महाराष्ट्र के बार्शी में शिवाजी शिक्षण प्रसारक मंडल बार्शी संस्था के संस्थापक कर्मवीर डॉ. मामासाहेब जगदाले की 122 वीं जयंती समारोह पर पद्म विभूषण रघुनाथ माशेलकर और पद्म विभूषण अनिल काकोडकर को कर्मवीर डॉ. मामासाहेब जगदाले समाज परिवर्तन गौरव पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

राज्यपाल ने इन दोनों समाज विभूतियों के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि डॉ. माशेलकर पॉलिमर विज्ञान और इंजीनियरिंग क्षेत्र के मर्मज्ञ विद्वान हैं। भारतीय स्वास्थ्य सेवा और नवाचार के भविष्य को लेकर उन्होंने देश को महती सेवाएं दी है। इसी प्रकार पद्म विभूषण अनिल काकोडकर ने परमाणु ऊर्जा और रक्षा सेवा में महती योगदान दिया है।

वे देश में परमाणु संशोधन के मुख्य दस्ते के सदस्य रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों के सम्मान से दूसरों को भी राष्ट्र के लिए निरंतर कुछ करने की प्रेरणा मिलती है।बागड़े ने गोविंदराव जगदाले कर्मवीर डॉ. मामासाहेब के राष्ट्र को दिए योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने जरूरतमंद और गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए ही बार्शी में शिवाजी बोर्डिंग की स्थापना की। मामा ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा, गरीबों को शिक्षा एवं सामान्य लोगों के स्वास्थ्य के लिए समर्पित किया। ऐसे महान कर्मवीर के नाम से देश की विभूतियों का सम्मान उनके लिए ज्ञान को आगे बढ़ाकर राष्ट्र के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित करने वाला है। राज्यपाल ने समारोह में मामा साहब के आदर्श को अपनाते हुए समाज को अपनी ओर से कुछ देने का निरंतर प्रयास करने का भी आह्वान किया। उन्होंने डॉ. मामासाहेब जगदाले की स्मृति को नमन करते हुए जनजन को उनके आदर्श अपनाने पर जोर दिया। संस्था के शितोले जयंत कुमार ने सभी का अभिनंदन करते हुए सभी का आभार जताया और संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

जिलों को समाप्त करने के मुद्दे पर विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा कुछ जिलों के गठन को निरस्त किए जाने के मुद्दे पर बुधवार को राजस्थान विधानसभा में हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बाद में व्यवस्था दी कि बृहस्पतिवार को इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव देने वाले दो विधायकों को दो–दो मिनट बोलने की अनुमति होगी और सरकार की ओर से इस पर संक्षिप्त वक्तव्य दिया जाएगा।

शून्यकाल में अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि विधायक सुरेश मोदी तथा तीस अन्य सदस्यों ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में गठित तीन संभाग तथा नौ जिलों को निरस्त किए जाने से खड़े हुए विवाद के संबंध में स्थगन प्रस्ताव दिए हैं। उन्होंने कहा कि विधायक सुरेश मोदी तथा रामकेश को अपने प्रस्ताव की विषय वस्तु पर दो–दो मिनट बोलने की अनुमति होगी।

इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि जिले तथा संभाग खत्म करने का मुद्दा उच्च न्यायालय में विचाराधीन है और अदालत में विचाराधीन किसी भी मुद्दे की विधानसभा में चर्चा नहीं कराए जाने की परंपरा रही है। उन्होंने आसन से आग्रह किया कि इस स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा नहीं कराई जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस पर एतराज करते हुए कहा कि केवल दो ही जिलों का मामला अदालत में है बाकी जिलों का नहीं है।

उन्होंने कहा, हम दो जिलों का यहां पर जिक्र नहीं करेंगे बाकी पर चर्चा करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। बाद में विधानसभा अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर आज चर्चा नहीं करने का फैसला सुनाया जिसके बाद विपक्ष ने नाराजगी जताते हुए हंगामा किया। हंगामा के बीच अध्यक्ष ने कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद सदन बैठा तो भी हंगामा जारी रहा। भोजनावकाश के बाद अध्यक्ष देवनानी ने व्यवस्था दी, इस स्थगन प्रस्ताव पर बोलने के लिए जिन दो सदस्यों के नाम आज घोषित हुए वही बोलेंगे।

वहीं सरकार की ओर से एक मंत्री जवाब देंगे। इसके बाद सदन में आगे विधायी व अन्य कार्य हुए। राज्य की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने 17 नए जिले व तीन नए संभाग बनाने की अधिसूचना जारी की थी। इसके साथ ही तीन और जिलों की घोषणा की थी लेकिन उसकी अधिसूचना जारी नहीं हुई थी। मौजूदा भजनलाल शर्मा सरकार ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार द्वारा गठित नौ जिलों तथा तीन नए संभागों को खत्म करने का फैसला दिसंबर में किया था। हालांकि आठ नए जिलों को बरकरार रखा गया।

भजनलाल शर्मा का एयरपोर्ट पर स्वागत, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने की अगवानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बुधवार को जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की जोधपुर एयरपोर्ट पर अगवानी की।

मुख्यमंत्री एक दिवसीय यात्रा पर जोधपुर होते हुए जालौर पहुँचकर वहां विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, नगर निगम (दक्षिण) महापौर वनिता सेठ, पूर्व राज्य मंत्री एवं पूर्व जोधपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व मेयर घनश्याम ओझा, राजेंद्र पालीवाल, त्रिभुवन सिंह भाटी जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारिगण रहे उपस्थित।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर की एक विशेष अदालत ने 11 वर्षीय एक लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को दोषी करार देते हुए मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशेष सरकारी अभियोजक राकेश महर्षि ने बताया कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की अदालत के न्यायाधीश तिरुपति कुमार गुप्ता ने आरोपी रूप सिंह बैरवा (33) को नाबालिग से दुष्कर्म का दोषी करार दिया।

उन्होंने बताया कि घटना के समय नाबालिग की मां (घरेलू सहायिका) काम करने के लिए बाहर गई थी और आरोपी ने लड़की को अपने घर में बुलाकर उससे दुष्कर्म किया था। अदालत ने बैरवा पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने बताया कि घटना अप्रैल 2024 में हुई थी, जिसके बाद लड़की की मां ने शिप्रा पथ थाने में मामला दर्ज कराया था।

महर्षि ने बताया कि आरोपी ने लड़की को घर में अकेली देखकर उसे गुटखा लाने के लिए कुछ पैसे दिए और जब बच्ची वापस लौटी तो उसने बाकी बचे पैसे अपने पास रखने को कहा। उन्होंने बताया कि आरोपी ने इस बीच कमरे को बंद कर लड़की से दुष्कर्म किया। महर्षि ने बताया कि आरोपी ने लड़की को घटना के बारे में किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। उन्होंने बताया कि लड़की ने घटना के बारे में अपनी मां और पड़ोसियों को बताया, जिसके बाद मामला दर्ज करवाया गया।

जयपुर में स्कूल बस हादसा

पुलिया से गिरी बस, 12वीं की छात्रा की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर–बीकानेर हाईवे पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। चौमूं में वीर हनुमान मार्ग पुलिया के पास स्कूल बस का ब्रेक फेल हो गया, जिससे बस अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे गिर गई। इस हादसे में 12वीं कक्षा की छात्रा कोमल देवंदा (18) की मौत हो गई, जबकि 9 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। गंभीर रूप से घायल बच्चों को जयपुर के सिद्धि विनायक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 7:30 बजे हुआ। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनुराग शर्मा और रवि शर्मा ने बताया कि वे खेल स्टेडियम में मॉर्निंग वॉक कर रहे थे, तभी अचानक तेज धमाके की आवाज आई और बस पलट गई। वे मौके पर पहुंचे, तो बच्चे चीख–पुकार कर रहे थे। तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी गई। घायलों में सुमित चौधरी, अंकिता कुमावत, मनीषा चौधरी, रवि शर्मा, संजीव बुनकर, देवेश कुंदल, तनु प्रजापत, वंश वर्मा और अक्षिता चौधरी शामिल हैं। सभी घायलों को सिद्धि विनायक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद बस ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इस हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में जबरदस्त गुस्सा है। लोगों का कहना है कि परिवहन विभाग ओवरलोड और बिना फिटनेस वाली बसों पर ध्यान नहीं देता, जिससे इस तरह के हादसे हो रहे हैं। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने स्कूल प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बस स्कूल की नहीं, बल्कि किराए पर ली गई थी। नियमों के अनुसार स्कूल बस का रंग पीला होना चाहिए और उसमें परिचालक होना चाहिए, लेकिन इन सभी नियमों की अनदेखी की गई। घटना की सूचना मिलते ही जयपुर डीसीपी वेस्ट अमित कुमार बुडानिया मौके पर पहुंचे और घायलों की हालत जानी। इसके अलावा एसीपी अशोक चौहान, थाना प्रभारी गणेश सैनी, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा और भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। हादसे के बाद स्कूल प्रशासन की ओर से कोई भी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे अभिभावकों और स्थानीय लोगों में जबरदस्त आक्रोश है।

लोग स्कूल प्रशासन को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे और चौमूं के सरकारी अस्पताल के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। पुलिस ड्राइवर की तलाश कर रही है और स्कूल प्रशासन से भी जवाब तलब किया जाएगा।

परिवहन विभाग की लापरवाही को लेकर भी जांच होगी, ताकि आगे इस तरह के हादसों को रोका जा सके। इस हादसे ने परिवहन विभाग, स्कूल प्रशासन और सुरक्षा उपायों की पोल खोलकर रख दी है। अब देखना होगा कि प्रशासन क्या कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी अन्य हादसों की तरह फाइलों में ही दबकर रह जाएगा।

‘डोटासरा ने जहां-जहां गमछा घुमाया, वहां कांग्रेस साफ हो गई’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस का दूसरा दिन है। बहस की शुरुआत करते हुए सत्ता पक्ष की ओर से श्रीचंद कृपलानी ने कहा कि हमारे साथी कैलाश वर्मा ने गोविंद सिंह डोटासरा के गमछा घुमाने की बात का जिक्र किया था।

लोकसभा चुनाव में इन्होंने संविधान के नाम पर लोगों को भड़काकर राजस्थान में 11 सीटें जीत ली, लेकिन उपचुनाव में मोरिया बोल गया। कृपलानी ने कहा– ये जहां–जहां भी गए कांग्रेस साफ हो गई।

हरियाणा, महाराष्ट्र, जहां भी गमछा घूमा, वहां कांग्रेस साफ हो गई। डोटासरा ने राज्यपाल की उम्र को लेकर भी टिप्पणी की। राज्यपाल ने भी इन्हें जवाब देकर औकात दिखा दी। कृपलानी ने कहा कि जनता अब कांग्रेस के दोगलापन को समझ चुकी है। हालांकि विपक्ष ने कृपलानी का विरोध भी जताया।

स्वागत

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के जोधपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

राजस्थान में अब यूनिवर्सिटी के कुलपति कहलाएंगे ‘कुलगुरु’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने विश्वविद्यालयों को लेकर एक अहम फैसला लिया है। सरकार ने कुलपतियों के हिंदी डेसिगनेशन (पदनाम) को ’कुलपति’ से बदलकर ’कुलगुरु’ करने के लिए राज्य विधानसभा में एक विधेयक को मंजूरी दे दी है। हालांकि अंग्रेजी डेसिगनेशन ’वाइस चांसलर’ ही रहेगा। यह फैसला मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य कैबिनेट द्वारा मंगलवार को स्वीकृत कई प्रमुख पहलों में से एक था। सरकार इन बदलावों को लागू करने के लिए राजस्थान विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक लाएगी।

कैबिनेट द्वारा लिए गए दूसरे फैसलों में राज्य में औद्योगिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के मकसद से एक नई कपड़ा और परिधान नीति, एक डेटा सेंटर नीति और एक लॉजिस्टिक्स नीति पेश करना शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने युवाओं को सशक्त और सक्षम बनाकर विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक नई युवा नीति को भी मंजूरी दी है।

बैठक में रीको औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में तेजी लाने और कार्मिक कल्याण और सेवा नियमों में संशोधन करने के लिए राजस्थान भूमि राजस्व (संशोधन वैधीकरण) विधेयक पेश करने का भी फैसला किया। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंत्रिमंडल को फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य कपड़ा और परिधान क्षेत्र में वैश्विक विनिर्माण केंद्र स्थापित करना है, राजस्थान कपड़ा और परिधान नीति–2025 इस दिशा में आगे बढ़ रही है।

मंत्री ने कहा कि राजस्थान डाटा सेंटर नीति–2025 राज्य के प्राइवेट सेक्टर में डाटा सेंटर की स्थापना को प्रोत्साहित करेगी, जिसका मकसद राज्य में विश्व स्तरीय डाटा सेंटर का इकोसिसंटम विकसित करना और राजस्थान को डाटा सेंटर क्षेत्र में एक प्रमुख डेस्टिनेशन बनाना है।

10 साल की अमावस की रात खत्म होने वाली है : शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि दिल्ली में बीते 10 साल की अमावस की रात समाप्त होने वाली है और बुधवार को उसका आखिरी निर्णायक दिन है। शेखावत ने यह बाद अपने संसदीय क्षेत्र जोधपुर में कही। यहां संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह मैंने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव को लेकर आपसे कहा था, उसी तरह मैं दिल्ली को लेकर भी कह रहा हूं।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शेखावत ने कहा ’दिल्ली में 10 साल की अमावस की रात समाप्त होने वाली है, आज उसका आखिरी दिन है, आज उसका आज निर्णायक दिन है। और मैं पूरी जिम्मेदारी से आपको यहां खड़े होकर कह रहा हूं, जैसे मैंने आपको हरियाणा के चुनाव से पहले आपको कहा था और महाराष्ट्र के चुनाव पर भी इसी जगह खड़े होकर कहा था।’ उन्होंने कहा, ’मैं आपको वापस याद दिलाकर कह रहा हूं, जब हरियाणा के चुनाव के मतदान के बाद जब मैं आया था, तब आप लोगों ने मुझसे पहले आए हुए यात्रियों के दिए गए जवाब के आधार पर कहा था, कि भाजपा की अब उल्टी गिनती शुरू हो गई है। तब मैंने कहा था कि जिस दिन परिणाम आएंगे उस दिन सोम सर्वस्व पितृ कथा यहां पर उनको वापस याद आएगी।’ ’देश की जनता ने झूठे नरेटिव के आधार पर चुनावों को नकार दिया है और परिणाम भी वही हुआ, हरियाणा में हम प्रचंड बहुमत के साथ जीते, महाराष्ट्र में नया रिकॉर्ड बनाते हुए हम जीते।

शिलान्यास

महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, विद्याधर नगर में बुधवार को लगभग 1.50 करोड़ की लागत से बनने वाले 9 नवीन कक्षा–कक्षों एवं 5 प्रोगशालाओं का शिलान्यास उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया।

माझी ने 'विकसित गांव, विकसित ओडिशा' योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य में ग्रामीण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 'विकसित गांव, विकसित ओडिशा' (बीजीबीओ) योजना की शुरुआत की।

माझी ने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन से गांवों और कस्बों के बीच का अंतर समाप्त हो जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध सभी सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने भुवनेश्वर से करीब 30 किलोमीटर दूर जनकिया गांव में इस योजना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बीजीबीओ योजना के तहत राज्य भर के सभी 53,845 गांवों को विकसित किया जाएगा। माझी ने कहा, हम गांवों के विकास पर ध्यान दे रहे हैं क्योंकि राज्य की 81 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है।

ओडिशा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बीजू जनता दल (बीजद) की पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई 'अमा ओडिशा नवीन ओडिशा' (एओएनओ) योजना के स्थान पर बीजीबीओ योजना की घोषणा की है। माझी ने बताया कि राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में बीजीबीओ योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है और पांच साल की अवधि में 5,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि पिछली बीजद सरकार ने एओएनओ योजना शुरू की थी, लेकिन इसके लिए कोई बजट नहीं रखा गया था। उन्होंने कहा, बीजद सरकार ने लोगों को गुमराह करने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले एओएनओ योजना शुरू की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजीबीओ योजना के तहत सड़क, पुल, पुलिया, स्कूल भवन, नागरिक सुविधाएं, कल्याण मंडप, खेल और अन्य बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बीजीबीओ योजना में आदिवासी, पिछड़ा वर्ग और दलित बहुल गांवों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय फोर्ट विलियम का नाम बदलकर 'विजय दुर्ग' किया गया

कोलकाता/भाषा। उपनिवेशवाद की विरासत से अलग होने की पहल के तहत कोलकाता स्थित भारतीय सेना की पूर्वी कमान के मुख्यालय फोर्ट विलियम का नाम बदलकर 'विजय दुर्ग' कर दिया गया है। एक रक्षा अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आंतरिक रूप से लिए गए निर्णय में, सेना ने शहर के मध्य में स्थित विशाल परिसर के अंदर कुछ ऐतिहासिक इमारतों का नया नाम रखा है।

रक्षा अधिकारी ने फोर्ट विलियम और इसके अंदर कुछ अन्य इमारतों का नाम बदलने के सेना के फैसले के बारे में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम धीरे-धीरे औपनिवेशिक विरासत से अलग हो रहे हैं।

अधिकारी ने बताया कि सेना ने सेंट जॉर्ज गेट का नाम बदलकर शिवाजी द्वार कर दिया है। उन्होंने कहा कि किले और इसके अंदर स्थित कुछ ऐतिहासिक इमारतों का नाम बदलने का निर्णय नवंबर-दिसंबर में लिया गया था।

रक्षा अधिकारी ने बताया, हमने किचनर हाउस का नाम बदलकर मानेकशॉ हाउस रख दिया है।

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव : शाम पांच बजे तक 65 प्रतिशत से अधिक मतदान

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान के तहत शाम पांच बजे तक 65 प्रतिशत से ज्यादा मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन आयोग के अनुसार शाम पांच बजे तक 65.25 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान समाप्ति पर मतदान प्रतिशत थोड़ा अधिक हो सकता है, क्योंकि पांच बजे जो मतदाता कतारों में थे वह अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मिल्कीपुर उपचुनाव समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया है, क्योंकि यह सीट राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अयोध्या जिले का हिस्सा है। सपा ने उपचुनाव में अनेक स्थानों पर धांधली किए जाने के आरोप लगाए हैं।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक कथित स्टिंग ऑपरेशन का ऑडियो साझा करते हुए कहा, ये है पीठासीन अधिकारियों की सच्चाई का स्टिंग ऑपरेशन जो सत्ताधारी दल के लिए फ़र्ज़ी मतदान का 'टारगेट' पूरा कर रहे हैं। इनके बूथों पर चुनाव रद्द किया जाए और इन्हें प्रथम दृष्टया ऑडियो सुबूतों के आधार पर निलंबित किया जाए और फिर उचित न्यायिक कार्रवाई के बाद बर्खास्त भी। अधिकारियों की चुनावी धांधली और हेराफेरी के ऐसे और भी वीडियो-ऑडियो आ रहे हैं। जब इनकी नौकरी जाएगी और समाज में बदनामी होगी शायद तब इनका ईमान और जमीर जागेगा। सरकार इनका इस्तेमाल करके हाथ झाड़ लेगी, तब ये जेलों में होंगे और अपने समाज, परिवार और बच्चों की नजर में अपमान की ज़िंदगी जीएंगे। सपा प्रमुख ने कहा, हम उन सब ईमानदार और सच्चे अधिकारियों की प्रशंसा करते हैं, जिन्होंने भाजपा कार्यालय से दिए गए फ़र्ज़ी मतदान के टारगेट को मानने से इंकार कर दिया है।

कार से टक्कर होने पर ऑटो चालक से बहस करते राहुल द्रविड़ का वीडियो सामने आया

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु में एक ऑटो चालक से बहस करते क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। घटना कथित तौर पर मंगलवार शाम को बेंगलूरु के कनिंघम रोड पर हुई। 'हाई ग्राउंड्स' यातायात पुलिस ने बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने इस संबंध में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। 'कनिंघम रोड, हाई ग्राउंड्स' यातायात पुलिस थाने के अंतर्गत आता है। माना जा रहा है कि यह वीडियो मंगलवार शाम साढ़े छह बजे का है, जिसमें द्रविड़ ऑटो चालक से कन्नड़ में बहस करते नजर आ रहे हैं और उससे पूछते हैं कि उसने ब्रेक क्यों नहीं लगाया। द्रविड़ 'इंडियन एक्सप्रेस सर्किल' से 'मिलर्स रोड' की ओर जा रहे थे। जाहिर तौर पर वीडियो किसी राहगीर ने बनाया है, जिसे महसूस हुआ कि बहस करने वाला व्यक्ति द्रविड़ ही है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच अपनी गाड़ी पर खरोंच और संभवतः उस पर पड़े निशान को लेकर परेशान थे।

एकदिवसीय विश्व कप की भारत की तैयारियों में बड़ी भूमिका निभाएगा डब्ल्यूपीएल, हरमनप्रीत ने कहा

मुंबई/भाषा। भारत और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का आगामी सत्र इस साल के अंत में देश में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी में बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की अंडर-19 महिला टीम ने हाल ही में मलेशिया में अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीतकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। हरमनप्रीत ने बुधवार को मुंबई इंडियंस की सत्र पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया से कहा, डब्ल्यूपीएल बहुत बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है क्योंकि इस साल एकदिवसीय विश्व कप होना है। डब्ल्यूपीएल के बाद हमारे पास अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए काफी समय होगा। उन्होंने कहा, हमारी अंडर-19 टीम लगातार ट्रॉफी जीतकर मानक स्थापित कर रही है और यह हम सभी के लिए बहुत गर्व का क्षण है। मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी कोच और टीम मेंटोर भारत की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी झूलन गोस्वामी ने कहा कि उनकी टीम के पास डब्ल्यूपीएल के लिए 'स्तरीय कोर खिलाड़ी' हैं जबकि घरेलू खिलाड़ियों ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। झूलन ने कहा, वे सभी बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं, उन्होंने घरेलू क्रिकेट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उनमें से एक ने अभी-अभी अंडर-19 (टी20) विश्व कप जीता है, जी कमालिनी... और संस्कृति गुप्ता भी हैं।

त्रिपुरा : 30 लाख रुपए मूल्य की प्रतिबंधित दवा जब्त, नौ लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) की संयुक्त टीम ने अगरतला रेलवे स्टेशन से 30 लाख रुपए मूल्य के खांसी के प्रतिबंधित सिरप की 1,500 बोतलें जब्त कीं और इस सिलसिले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने सोमवार रात अगरतला रेलवे स्टेशन पर एक पार्सल वैन की तलाशी ली, जिसमें 30 लाख रुपए मूल्य की एस्कॉफ (खांसी का प्रतिबंधित सिरप) की 1,500 बोतलें जब्त कीं गईं। अगरतला जीआरपी थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) तपस दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पार्सल वैन से खांसी के प्रतिबंधित सिरप की जब्ती की जांच के दौरान, हमने एक संयुक्त अभियान शुरू किया और खांसी के सिरप की तस्करी में शामिल होने के आरोप में मंगलवार को नौ लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि त्रिपुरा में एस्कॉफ सिरप की बिक्री प्रतिबंधित है। गिरफ्तार सभी नौ लोगों के खिलाफ अगरतला जीआरपी थाने में स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक विशेष मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया, उन्हें (गिरफ्तार लोगों को) स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा और मामले की जांच व पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड देने का अनुरोध किया जाएगा।

सिक्किम सरकार लोगों को आवश्यक सेवाएं मुहैया कराने को प्रतिबद्ध : माथुर

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार लोगों को सड़क, बिजली और पानी जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्यपाल सिक्किम विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के दौरान उद्घाटन भाषण दे रहे थे। उन्होंने कहा, ''सरकार राज्य के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सड़क, बिजली और पानी जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है। माथुर ने कहा कि राज्य सरकार लोगों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखती है और निवासियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए विभिन्न विकास और कल्याणकारी उपाय लागू कर रही है।

भाजपा और आरएसएस के लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर संविधान को खत्म करने की मंशा रखने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संविधान को माथा टेक कर और आरएसएस के लोग अंबेडकर के प्रति सम्मान का दिखावा कर लोगों की आंखों में धूल झोंकने का काम कर रहे हैं।

स्वतंत्रता सेनानी एवं दलित नेता जगलाल चौधरी की जयंती के अवसर पर पटना में आयोजित एक समारोह में राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, आपने मुझे बुलाया, आप कह रहे थे कि दिल्ली का चुनाव है। हां, दिल्ली का चुनाव है। वह अपनी जगह पर है मगर यह भी समारोह बहुत जरूरी है, तो मैं वोट डालकर सीधा यहां आ गया। उन्होंने कहा, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आप (दलितों) लोगों के इतिहास का कोई उल्लेख नहीं है। क्या देश में दलित प्रोफेसर परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार कर रहे हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, देश की 200 बड़ी कंपनियों के मालिकों में एक ओबीसी, आदिवासी और दलित नहीं है। पूरा का पूरा पैसा आपकी जेब से स्थानांतरित हो रहा है और फिर भी आप गरीब हो। राहुल ने कहा, मोदी जी ओबीसी की बात करते रहते हैं। देश का बजट 90 अधिकारी बनाते हैं और उनमें केवल तीन ही दलित हैं। आपकी आबादी 15-16 प्रतिशत है और 90 अधिकारियों में से केवल तीन अधिकारी आपके समुदाय से हैं और उन तीन अधिकारियों को छोटे-छोटे विभाग दे रखे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, अब इसका उपाय क्या है। सबसे पहले यह पता लगाना है कि किसकी कितनी आबादी है और किसको कितनी भागीदारी मिल रही है। इसका पता लगाने का एक ही उपाय है जातीय जनगणना और यह बिहार वाला जातीय जनगणना जो है, मैं इसकी बात नहीं कर रहा हूं, जातीय जनगणना देखना है तो तेलंगाना वाला देख लीजिए।

बंगाल शिखर सम्मेलन में रिलायंस, आईटीसी, जेएसडब्ल्यू ने की बड़े निवेश की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और जेएसडब्ल्यू ने पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर निवेश का बुधवार को ऐलान किया जबकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने औद्योगिक वृद्धि और कारोबार का अनुकूल माहौल देने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता जताई।

ये तमाम घोषणाएं 'बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन' (बीजीबीएस) 2025 में की गईं। इस सम्मेलन के जरिये राज्य सरकार विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने और राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी कंपनी इस दशक के अंततक राज्य में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

अंबानी ने कहा, एक दशक से भी कम समय में बंगाल में हमारा निवेश 20 गुना बढ़ा है और हमने 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। हम इस दशक के अंततक इस निवेश को दोगुना कर देंगे। हमारा निवेश डिजिटल सेवाओं, हरित ऊर्जा और खुदरा सहित कई क्षेत्रों में फैला होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल में अब तक किए गए रिलायंस के निवेश ने एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार पैदा किए हैं। उन्होंने बंगाल में आर्थिक वृद्धि तेज करने के लिए रिलायंस की प्रतिबद्धता की पुष्टि भी की।

शिखर सम्मेलन में कई अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं भी हुईं जिनमें कोलकाता के न्यू टाउन क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए आईटीसी लिमिटेड के एक वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र का अनावरण भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने इस केंद्र का ऑनलाइन उद्घाटन किया। आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने आतिथ्य क्षेत्र में निवेश के लिए बंगाल की संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कंपनी राज्य में अपनी मौजूदगी का विस्तार करना जारी रखेगी।

जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने भी बंगाल के सालबोनी में 1,600 मेगावाट की बिजली परियोजना विकसित करने के लिए 16,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कंपनी भविष्य में इसी पैमाने के अतिरिक्त निवेश के साथ अपनी क्षमता दोगुनी करने की योजना बना रही है। सम्मेलन में आए निवेशकों एवं उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बंगाल में कारोबार सुगमता के लिए एक नई राज्य-स्तरीय तालमेल समिति के गठन की घोषणा की।

निवेश आकर्षित करने के लिए राज्यों को मिलकर काम करना चाहिए : हेमंत सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को कहा कि देश में निवेश आकर्षित करने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्यों को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निमंत्रण पर बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) के आठवें संस्करण में शामिल होने के लिए कोलकाता पहुंचे सोरेन ने उम्मीद जताई कि दोनों राज्य (झारखंड और पश्चिम बंगाल) भारत में प्रमुख निवेश स्थल के रूप में उभरेंगे।

शिखर सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा, पश्चिम बंगाल और झारखंड में बहुत सारी समानताएं हैं। झारखंड खनिज और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। मेरा मानना है कि भारत में निवेश आकर्षित करने और एक मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए राज्यों को साथ मिलकर काम करना चाहिए। ममता और सोरेन राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) का हिस्सा हैं। दोनों के बीच संबंध काफी अच्छे माने जाते हैं।

पश्चिम बंगाल में इस दशक के अंत तक 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी रिलायंस : मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने इस दशक के अंत तक पश्चिम बंगाल में 50,000 करोड़ रुपए के नए निवेश की बुधवार को घोषणा की।

अंबानी ने बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) 2025 में कहा कि इस निवेश से राज्य में एक लाख नौकरियों का सृजन होगा। उन्होंने कहा, रिलायंस ने पिछले दशक में बंगाल में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस दशक के अंत तक 50,000 करोड़ रुपए का और निवेश किया जाएगा। हमारा निवेश डिजिटल सेवाओं, हरित ऊर्जा और खुदरा सहित कई क्षेत्रों में फैला होगा।

अंबानी ने राज्य में आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए रिलायंस की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और प. बंगाल के कारोबारी परिदृश्य को बदलने में इसकी भूमिका का उल्लेख किया।

रोहित ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों और चैंपियन्स ट्रॉफी पर ध्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य के बारे में अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे समय में उनके करियर के बारे में बात करना अप्रासंगिक है जब उनका ध्यान इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मुकाबलों और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर है।

भारत 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी इंग्लैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के साथ करेगा जिसका पहला मैच बृहस्पतिवार को यहां खेला जाएगा। रोहित ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जब तीन एकदिवसीय और चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना है तो मेरे लिए अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करना कितना प्रासंगिक है। (मेरे भविष्य पर) खबरें कई वर्षों से चल रही हैं और मैं उन खबरों पर स्पष्टीकरण देने के लिए यहां नहीं हूं। भारतीय कप्तान ने कहा, मेरे लिए तीन मैच (इंग्लैंड के खिलाफ) और चैंपियंस ट्रॉफी बहुत महत्वपूर्ण हैं। मेरा ध्यान इन मुकाबलों पर है और मैं देखूंगा कि इसके बाद क्या होता है। रोहित पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने पांच पारियों में 6.20 की औसत से केवल 31 रन बनाए।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं लेकिन ऐसी खबरें हैं कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने उनसे चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताने को कहा है। भारत अब एकदिवसीय क्रिकेट खेलेगा जिस प्रारूप में रोहित को सबसे अधिक सफलता मिली है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने 40वें जन्मदिन पर कहा, मैं सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर

मैड्रिड/एपी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपना 40वां जन्मदिन उसी आत्मविश्वास और आत्मसम्मान के साथ मना रहे हैं जिस पर उन्होंने अपने सफल करियर के दौरान हमेशा गर्व किया है। रियाल मैड्रिड के पूर्व स्टार और अब सऊदी अरब में खेल रहे रोनाल्डो बुधवार को 40 साल के हो गए और उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर कौन है।

रोनाल्डो ने स्पेनिश टेलीविजन चैनल ला सेक्स्टा के साथ साक्षात्कार में कहा, मैं फुटबॉल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ स्कोरर हूं। हालांकि मैं बाएं पैर का अधिक इस्तेमाल नहीं करता लेकिन बाएं पैर से गोल करने के मामले में मैं इतिहास में शीर्ष 10 में हूं। इन आंकड़ों से पता चलता है कि मैं अब तक का सबसे संपूर्ण खिलाड़ी हूं। उन्होंने कहा, मैं खेल में अपने दिमाग का अच्छा इस्तेमाल करता हूं। मैं अच्छी फ्री किक लेता हूं। मैं तेज दौड़ लगाता हूं। मैं दमदार हूं। मैं अच्छी कूद लगाता हूं। मैंने कभी भी खुद से बेहतर किसी को नहीं देखा। पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक 217 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम पर 135 गोल दर्ज हैं जो विश्व रिकॉर्ड है। रोनाल्डो ने पहले भी कई बार कहा है कि उन्हें लगता है कि वह फुटबॉल के इतिहास में अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनकर उभरेंगे। जब भी उनसे इस चर्चा के बारे में पूछा गया कि उनमें और लियोनेल मेस्सी में कौन सर्वश्रेष्ठ है तो उन्होंने हमेशा अर्जेंटीना के खिलाड़ी की प्रशंसा की लेकिन वह खुद को बेहतर बताने से भी पीछे नहीं हटे।

सुविचार

हर चीज में फर्क करना अच्छी बात नहीं, कुछ चीजें अलग होकर ज्यादा खूबसूरत लगती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बढ़ता पलायन: समाधान क्या है ?

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह कहते हुए एक कड़वी हकीकत बयान की है कि गरीबी और बेरोजगारी की वजह से बहुत लोग ग्रामीण इलाकों से दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु जैसे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। सब जानते हैं कि पलायन के कारण कई गंभीर समस्याएं पैदा हो गई हैं। एक ओर जहां शहरों में भीड़ काफी बढ़ गई है, वहीं गांवों में कई मकान सूने पड़े हैं। शहरों में मकान किराया, रहन-सहन, खाना-पीना सबकुछ बहुत महंगा है, फिर भी लोग शहर में आकर रहना चाहते हैं। इसकी एक वजह गांवों में रोजगार के ज्यादा विकल्पों का न होना तो है ही, कुछ और बिंदु भी हैं, जिन्होंने गांवों से शहरों की ओर पलायन को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभाई है। प्राय: शहर जाकर रहने को 'तरक्की' से जोड़कर देखा जाता है। गांव में शहर की कई चीजों (भले ही वे हानिकारक हों) को 'कॉपी' करने को आधुनिकता समझा जाता है, जो तार्किक दृष्टि से सही नहीं है। समाज ने कुछ ऐसी चीजों को भी 'विकास' समझ लिया है, जो देर-सबेर नुकसान पहुंचाती हैं। आज भी बहुत लोग यह मानते हैं कि पढ़ाई-लिखाई करने के बाद वही व्यक्ति सफल है, जो शहर में नौकरी करे और वहीं अपना मकान बनाए। इसके उलट, अगर कोई ग्रामीण युवक उच्च शिक्षा में स्वर्ण पदक हासिल कर ले, उसके बाद किसी विख्यात शिक्षाविद के मार्गदर्शन में पीएचडी कर ले और गांव लौटकर खेती करने लग जाए तो हर कोई उसके फैसले पर हंसेगा और पूछेगा- 'जब खेती ही करनी थी तो इतनी पढ़ाई क्यों की?' इस सोच ने गांवों का बड़ा नुकसान किया है। क्या खेती करने में प्रतिभा की जरूरत नहीं होती? इजराइल वैज्ञानिक तरीकों से खेती करते हुए कहां से कहां पहुंच गया! उसके पास तो थोड़ी-सी जमीन है, वह भी बंजर थी!

गांवों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। गांव के बच्चे बहुत मेहनती होते हैं। वे कम संसाधनों में गुजारा करने के अभ्यस्त होते हैं। उनके लिए गांव में संघर्ष है तो शहर में भी संघर्ष है।

गांवों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। गांव के बच्चे बहुत मेहनती होते हैं। वे कम संसाधनों में गुजारा करने के अभ्यस्त होते हैं। उनके लिए गांव में संघर्ष है तो शहर में भी संघर्ष है। जब वे शहर जाकर अपने क्षेत्र में सफल हो जाते हैं तो गांव में लोग उनसे उम्मीद करते हैं कि अब वे उनका साथ दें। हालांकि जब किसी ग्रामीण बच्चे के संघर्ष के दिन होते हैं तो उसकी मदद करने के लिए न के बराबर लोग आगे आते हैं। ऐसे में वह बच्चा गांव को उसके हाल पर छोड़कर अपना भविष्य शहर में ही देखता है। प्राय: ऐसे लोगों की यह कहते हुए आलोचना की जाती है कि उन्होंने अपने गांव के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन यह भी सच्चाई है कि गांवों में प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए जो प्रयास किए गए, वे नाकाफी हैं। अगर गांवों में ऐसे इंतजाम किए जाएं कि जरूरतमंद प्रतिभाशाली बच्चों की हर संभव तरीके से मदद हो तो शहरों की ओर पलायन में कमी आएगी। उस स्थिति में ये बच्चे शहर जाने के बाद 'उचित समय' पर अपने गांव लौटना चाहेंगे और अन्य बच्चों को मार्गदर्शन देंगे। जिन लोगों ने गांवों को सिर्फ फिल्मों और यूट्यूब वीडियो में ही देखा है, उन्हें लगता है कि ग्रामीण जीवन बिल्कुल ऐसा है। हालांकि 'रील लाइफ' और 'रियल लाइफ' में बड़ा अंतर है। आज ग्रामीण जीवन में ऐसी कई विकृतियां आ गई हैं, जो पहले सिर्फ बड़े शहरों में देखने को मिलती थीं। शहरों की तर्ज पर गांवों में भी फास्ट फूड और हानिकारक पेय पदार्थों का चलन बहुत बढ़ गया है। देर रात तक जागना, मोबाइल फोन पर बहुत समय बिताना, सुबह देर से उठना, व्यायाम और शारीरिक श्रम न करना- जैसी आदतें ग्रामीण नौजवानों में बढ़ती जा रही हैं। वहां भी खैनी, गुटखा, तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, शराब जैसी नशीली चीजें खूब बिक रही हैं। इसलिए आज गांवों के सामने चुनौती सिर्फ पलायन रोकने की नहीं, बल्कि उन विकृतियों से निजात पाने की भी है, जो वहां धीरे-धीरे जड़ें जमाती जा रही हैं।

ट्वीटर टॉक

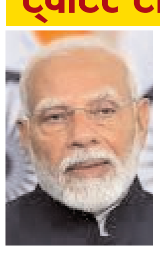

प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर-हर गंगे!

-नरेन्द्र मोदी

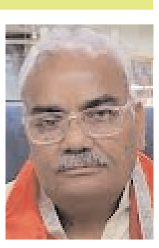

3 फरवरी 2025 को, शिक्षा विभाग ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की। पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए, 1.51 करोड़ लोगों ने सूर्यनमस्कार में भाग लिया। यह शिक्षा विभाग की निरंतर मेहनत और राजस्थान के हर नागरिक की स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

-मदन दिलावर

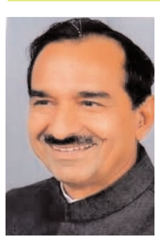

प्रयागराज से हनुमानगढ़ आ रही बस के दुर्घटनाग्रस्त से दो लोगों के निधन और कई लोगों के घायल होने की घटना अत्यंत दुखद हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

सृष्टिकर्ता का स्मरण

मुस्लिम महिला सूफी-संतों में राबिया बसरी का नाम विशेष अहमियत रखता है। राबिया एक कबीला परिवार से संबंध रखती थी, जिसका पूरा नाम राबिया अल-अदविया अल-क़ैसिया था। कहते हैं एक बार वसंत ऋतु में, जब सब ओर प्राकृतिक सुंदरता की चादर बिछी हुई थी, जिसे देख कर कोई भी मुग्ध हुए बिना नहीं रह रहा था। राबिया एक घर में घुसी और बाहर नहीं निकली। उसकी सेवा करने वाली लड़की ने कहा, 'हे मालकिन! बाहर आओ और सृष्टि की सुंदरता को देखो।' राबिया ने उसके उत्तर में कहा, 'आप एक बार अंदर आओ और सृष्टिकर्ता को देखो! सृष्टिकर्ता को देखने से मैं सृष्टि को देखने से दूर हो गई हूं।' बड़ा ही गहन संदेश था मनमुखों के लिए जो सांसारिक सुखों के लाभ में इन सुखों को देने वाले और बनाने वाले को भूले बैठे हैं।

सामयिक

सामरिक सूचना के उजागर होने के खतरे

संजीव ठाकुर

यह बहुत अच्छी खबर है कि भारत ने बहुत ही कम वित्तीय निवेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अधिकतम उपयोग के बाद उसके फायदे उठाए हैं ब्रिटेन के निचले सदन हाउस ऑफ़ कॉमंस के स्पीकर लिंडसे हाएल ने कहा कि ब्रिटेन संसदीय प्रक्रिया को और बेहतरीन बनाने के लिए भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की प्रगति से उनका अनुकरण कर फायदे उठा सकता है। यह सुखद आश्चर्य है कि भारतीय संसद एक साथ 23 भाषाओं का अनुवाद कर सकता है। भारत की यह प्रगति दुनिया के देश के लिए काम आर्थिक बजट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अधिकतम उपयोग का एक बेहतरीन उदाहरण बन सकता है उन्होंने कहा कि इससे साबित होता है कि भारत शानदार तरीके से आगे बढ़ रहा है पर संपूर्ण मानव जाति को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक पर महारत हासिल की जानी चाहिए अन्यथा यह रोबोट की तरह मानव पर संपूर्ण अधिकार जमाने वाला औजार साबित हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अमेरिका,रूस,चीन,जापान और पश्चिमी देश जिस तरह गोपनीय तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं उससे विकासशील देशों की रक्षा सूचना के उजागर होने के खतरे बढ़ गए हैं इसमें विशेष सतर्कता की आवश्यकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सामरिक सूचना के उजागर होने के खतरे बढ़ गए हैं जब तक इस विधा में पूरी तरह पारंगत नहीं हो जाते इस पर विशेष सावधानी रख का उपयोग किया जाना चाहिए अन्यथा इसका विपरीत असर भी पढ़ सकता है। सूचनाओं विदेशी तत्वों के हाथों में जा सकती है इसके अलावा आतंकवादी संगठन इसका उपयोग कर भारी तबाही मचा सकते हैं। निसंदेह यह दौर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का दौर है पर इसका उपयोग अतिरिक्त सावधानी के साथ किया जाना चाहिएअब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ़्ज़ पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है।

अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्र ,जॉर्डन,

मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है।इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं.

खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34% बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकें यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई है यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैं दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता है राइट एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपो गेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

नजरिया

किताबों और अखबारों को बनाइए अपना साथी

डॉ सत्यवान सौरभ

युवा लोगों में इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल की वज़ह से किताबों में दिलचस्पी कम होती जा रही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाटसएप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की वज़ह से युवा भारतीयों की पढ़ने की आदत में तेजी से बदलाव आ रहा है। स्मार्टफोन और लगभग मुफ्त इंटरनेट सेवाओं के प्रसार ने आदत बदलने की इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। इंस्टेंट मैगी युवा पीढ़ी का हिस्सा है। नतीजतन वे अपने जीवन को मैनेज करने के लिए गूगल का इस्तेमाल करते हैं। मेहनत, धैर्य और लगन से काम करके पुरानी पीढ़ी, जो कभी किताबें पढ़ती थी, अपने जीवन को मकसद देती थी। किताबें समस्या-समाधान के लिए बहुत ज़रूरी थीं, खासकर आत्मकथाएँ। पहले माता-पिता भी किताबें पढ़ने का सुझाव देते थे। अगर आप अभी किताबें और अख़बार नहीं पढ़ते हैं तो आज से ही पढ़ने की आदत डालें। आप शायद किताबें पढ़ने के इतने फायदों से वाक़िफ़ नहीं हैं। आजकल, जब युवा पीढ़ी सुबह उठती है, तो वे समाचार पत्र पढ़ने के बजाय सोशल मीडिया साइट्स ब्राउज़ करने के लिए अपने स्मार्टफ़ोन का उपयोग करना शुरू कर देते हैं। कोई भी टीवी शो कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, अब परिवार उसे देखने के लिए एक साथ इकट्ठा नहीं होता है जैसा कि वे पहले करते थे। इसके बजाय, वे अपने फ़ोन पर सोशल मीडिया ऐप के साथ ख़ुद को व्यस्त रखना जारी रखते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल उद्योग में और भी क्रांति आएगी। नतीजतन, जीवन और पढ़ने-लिखने की आदतों में बदलाव आए हैं, और आगे भी आयेंगे।

किताबें मनुष्य का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है। हालाँकि, आज की व्यस्त दुनिया में बहुत कम लोग हैं जो किताबें पढ़ते हैं। किताबें पढ़ना वास्तव में एक ऐसी आदत नहीं है जिसे मनोरंजन से जोड़ा जाना चाहिए। इसके बजाय, आपको इसे अपने दैनिक कार्यक्रम में शामिल करना चाहिए। यह देखते हुए कि किताबें लोगों को खुश करती हैं। जब पूछा जाता है कि उन्होंने आखिरी बार कब किताब पढ़ी थी, तो अधिकांश लोग हैरान दिखेंगे। स्कूल और कॉलेज में नामांकित छात्रों के अलावा, यह सवाल कामकाजी युवाओं द्वारा भी पूछा जाता है जो स्नातक होने के बाद अपने भविष्य को निर्धारित करने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। आज की व्यस्त दुनिया में, लोग पढ़ने से परहेज कर रहे हैं। दुनिया के हर सफल और प्रशंसनीय व्यक्ति को किताबें पढ़ने की आदत होती है। किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त मानी जाती हैं। नियमित रूप से पढ़ना न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह आपके ज्ञान को भी बढ़ाता है। यह जीवन और विचारों के प्रति व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी बदलता है। इंटरनेट चाहे कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो जाए, किताबें पढ़ना हमेशा सबसे अच्छा विकल्प रहेगा। किताबें पढ़ने के फायदों की बात करें तो वे बहुत हैं। जब आप कोई किताब पढ़ते हैं, तो आपका ध्यान एक क्षेत्र पर केंद्रित होता है। हर दिन पढ़ने की आदत से फोकस बेहतर होता है। किसी प्रोजेक्ट पर काम करने का मन भी करता है।

विडंबना यह है कि बहुत से माता-पिता भी यही मानते हैं कि चुटकुले, मनोरंजन, रील बनाना और जो चाहे खाना, ये सब जीवन में ख़ुशी और आनंद की कुंजी हैं। इस उपभोक्तावादी मानसिकता के परिणामस्वरूप युवाओं का ज्ञान और मूल्यों का अधिग्रहण लगभग बंद हो गया है। हालाँकि, चूँकि घरों में अखबार, पत्रिकाएँ या किताबें नहीं हैं, इसलिए युवाओं को ही दोष देना अनुचित है। अगर कोई किताब, अख़बार या पत्रिका है, तो बच्चा कम से कम तस्वीर तो देखेगा और आश्चर्य करना शुरू कर देगा। अब ऐसा भी नहीं है। अगर माता-पिता प्रमुख पत्रिकाओं और अखबारों के नामों की भी परवाह नहीं करते हैं, तो इसमें युवाओं का क्या दोष है? जब तक माता-पिता ध्यान नहीं करेंगे, तब तक यह समस्या हल नहीं होगी। चूँकि अधिकांश माता-पिता ख़ुद कुछ नहीं पढ़ते हैं, तो वे क्या और किससे बात करेंगे?

अखबारों में राजनीति, विज्ञान, तकनीक, कला और संस्कृति सहित कई विषयों पर लेख प्रकाशित होते हैं, साथ ही जाने-माने लेखकों और विषय विशेषज्ञों के लेख भी होते हैं। नियमित रूप से पढ़ने वाले बच्चों को नया ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिलता है।

ज्ञान की कमी के कारण आपको कई स्थितियों में चुप रहना पड़ता है। आप स्पष्ट रूप से बोलने में असमर्थ होते हैं या ऐसा करने में बहुत शर्म महसूस करते हैं। पढ़ने से ज्ञान और जानकारी बढ़ती है। जिसके आधार पर आप किसी भी विषय पर कहीं भी, किसी से भी चर्चा कर सकते हैं। किताबें पढ़ने से बोलने और संवाद करने का आत्मविश्वास बढ़ता है। कहा जाता है कि अच्छा लिखना, अच्छे बोलने से ही संभव होता है। किताबें पढ़ने से आप उन विचारों और रणनीतियों के बीच सम्बंध बनाना शुरू कर देते हैं, जिन पर वे चर्चा करते हैं अपने जीवन में। आप उन्हें उसी समय अपने जीवन में लागू करना शुरू कर देते हैं। आप किसी डरावनी या दुविधापूर्ण उपन्यास को पढ़ते ही उसके पात्रों और घटनाओं की कल्पना करना शुरू कर देते हैं। फिर आप उपन्यास को पूरा पढ़े बिना ही उसके अंत को समझने की कोशिश करने लगते हैं। वर्तमान पीढ़ी को समाचार पत्र पढ़ना सिखाना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि वे या तो अपने उपकरणों से मोहित हो जाते हैं या फिर फिक्शन पढ़ना पसंद करते हैं। समाचार पत्रों में तथ्यात्मक प्रस्तुति उनमें से अधिकांश के लिए थकाऊ और थका देने वाली होती है। हालाँकि, आप कुछ नए विचारों को लागू करके समाचार पत्र पढ़ना अपने बच्चे के पसंदीदा शगल में से एक बना सकते हैं और एक बार जब वह आदत विकसित कर लेता है, तो यह जीवन भर बनी रहेगी।

उपन्यास या कहानी की किताब पढ़ने के बाद आप उसके किरदार और सेटिंग को बहुत लंबे समय तक याद रख पाते हैं। रोजाना पढ़ने से आपकी याददाश्त और याददाश्त बेहतर होती है। हर दिन आपकी याददाश्त बेहतर होती जाती है। इस तरह दिमाग़ का विकास होता है। आपने शायद यह कहावत पढ़ी या सुनी होगी कि अगर आपको नींद नहीं आ रही है, तो सोने के लिए किताब पढ़ना शुरू कर दें। रात को सोने से पहले किताब पढ़ने से आपका दिमाग़ थका हुआ महसूस करता है और आपके दिमाग़ की नसों को आराम मिलता है, जिससे अच्छी नींद आती है। इसलिए, आराम से सोने के लिए हर दिन सोने से पहले पढ़ने की आदत डालें।

एक इंसान की सच्ची दोस्त एक किताब होती है। वे आपके अकेलेपन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करती हैं। जब भी आप बोर या अकेले हों, आपको पढ़ना चाहिए। नियमित रूप से पढ़ने से आपको नई ऊर्जा मिलती है। आपका मूड बदलता है और परिणामस्वरूप आप अधिक आराम महसूस करते हैं। यह ज़रूरी है कि युवा लोग समझें कि इंटरनेट मुख्य रूप से ज्ञान के बजाय सूचना के स्रोत के रूप में काम करता है। इसलिए, इसे केवल सूचना तक ही सीमित रखना चाहिए। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण अलग-अलग होते हैं और युवा लोगों के अकेलेपन को आसानी से महसूस किया जा सकता है। दूसरी ओर, किताबें युवाओं को अधिक कल्पनाशील बनने में मदद कर सकती हैं। यह पहले भी देखा गया था। यह संभव है कि पुरानी पीढ़ी वर्तमान पीढ़ी की तुलना में अधिक विनम्रता और नरमी से सोचती और व्यवहार करती थी। वास्तविक जीवन में, आभासी दुनिया से लगाव के कारण रिश्ते और संपर्क कम होते जा रहे हैं। यह एक नया जोखिम पैदा करता है। इसके अतिरिक्त, कुछ स्थानों पर चेतावनी के संकेत सामने आने लगे हैं। इस मामले में माता-पिता को ऐसा करना होगा।

बुद्धि के विकास के अनुसार, आने वाले वर्षों में यह एक संकट बन जाएगा, क्योंकि दस साल बाद, बारह से बीस वर्ष की आयु के ये युवा और भी बड़े हो चुके होंगे और अगर उन्हें कोई ज्ञान नहीं होगा तो वे अगली पीढ़ी को क्या सिखा पाएंगे? इस पर चर्चा करते समय, युवा पीढ़ी के कुछ लोग अक्सर दावा करते हैं कि वे अपने मोबाइल डिवाइस पर वही सामग्री प्राप्त कर सकते हैं जो मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोग समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में पढ़ते हैं। हालाँकि यह सच है, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या वे उस मोबाइल डिवाइस का उपयोग आर्थिक नीति, रक्षा या शिक्षा के बारे में पढ़ने के लिए करते हैं, या क्या वे इसका उपयोग समाचारों या चमक-दमक वाले, ग्लैमराइज़्ड, सतही मनोरंजन की क्षमता पर शोध करने के लिए करते हैं। विडंबना यह है कि बहुत से माता-पिता भी यही मानते हैं कि चुटकुले, मनोरंजन, रील बनाना और जो चाहे खाना, ये सब जीवन में ख़ुशी और आनंद की कुंजी हैं। इस उपभोक्तावादी मानसिकता के परिणामस्वरूप युवाओं का ज्ञान और मूल्यों का अधिग्रहण लगभग बंद हो गया है। हालाँकि, चूँकि घरों में अखबार, पत्रिकाएँ या किताबें नहीं हैं, इसलिए युवाओं को ही दोष देना अनुचित है। अगर कोई किताब, अख़बार या पत्रिका है, तो बच्चा कम से कम तस्वीर तो देखेगा और आश्चर्य करना शुरू कर देगा। अब ऐसा भी नहीं है। अगर माता-पिता प्रमुख पत्रिकाओं और अखबारों के नामों की भी परवाह नहीं करते हैं, तो इसमें युवाओं का क्या दोष है? जब तक माता-पिता ध्यान नहीं करेंगे, तब तक यह समस्या हल नहीं होगी। चूँकि अधिकांश माता-पिता ख़ुद कुछ नहीं पढ़ते हैं, तो वे क्या और किससे बात करेंगे?

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बीएसएफ बांग्लादेशियों के अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात अपने 'फील्ड कमांडर' को निर्देश दिया है कि वे बांग्लादेशियों या सीमा बल द्वारा सीमा पर किए जा रहे अवैध निर्माण के मामले में ''कड़ी कार्रवाई'' करें।

सीमा प्रबंधन प्रभाग के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि साल 2024 में सीमा पर अवैध निर्माण की करीब 80 घटनाएं सामनें आईं। बीएसएफ के उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने 31 जनवरी को एक बयान में कहा था कि हाल के दिनों में उसके अधिकार क्षेत्र में ''ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।

उत्तर बंगाल फ्रंटियर का मुख्यालय पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में स्थित है और यह भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की 932 किलोमीटर सीमा की रक्षा करता है। उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने बुधवार को एक बयान जारी कर बताया कि चार और पांच फरवरी की रात को भारी हथियारों से लैस बांग्लादेश के कुछ बदमाश दक्षिण दिनाजपुर जिले के सीमावर्ती गांव मलिकपुर में अवैध रूप से घुस गए थे और उन्होंने बल के एक दल पर हमला कर दिया था, जिसमें एक जवान और एक बांग्लादेशी घायल हो गया था। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इसने कहा, ये बदमाश तस्करी और डकैती के लिए अवैध रूप से भारत में घुसे थे। उनके पास भारी संख्या में हथियार, लाठी-डंडे और तार काटने वाली मशीन थी। बीएसएफ के दल ने जब उन्हें चेताया तो बदमाशों ने रुकने के बजाय जवानों पर हमला कर दिया।

बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता ने कहा कि गश्ती इकाई ने बांग्लादेशियों को रोकने के लिए ''ऐसी गोलियां चलाई थीं जो घातक नहीं थीं, लेकिन उन्होंने अपना ''आक्रामक रवैया जारी रखा और बीएसएफ दल को घेर लिया।

प्रवक्ता ने बताया कि बदमाशों ने बीएसएफ के एक जवान का हथियार छीनने की कोशिश की, जिसके बाद जवान ने आत्मरक्षा के लिए गोली चलाई और इसके बाद हमलावर सीमा पार अपनी तरफ भाग गए।

अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती इकाइयों के सभी बीएसएफ कमांडरों को कड़ी निगरानी रखने और अंतरराष्ट्रीय सीमा के 150 गज के दायरे में अवैध निर्माण कार्य को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि बल ने सीमावर्ती बटालियन के वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से अग्रिम क्षेत्रों का दौरा करने और जहां भी आवश्यक हो शिविर लगाने के लिए कहा गया है।

उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने पहले कहा था कि बांग्लादेशी नागरिक और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ''सीमा क्षेत्र में लगातार अवैध निर्माण करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बीएसएफ की सतर्क निगाहें हमेशा उनकी अवैध गतिविधियों पर नजर रख रही हैं और सख्त कार्रवाई कर रही हैं।

इसने कहा था, हाल के दिनों में, कूचबिहार के मेखलीगंज से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बांग्लादेशी नागरिकों द्वारा बांग्लादेशी इलाकों में अंतरराष्ट्रीय सीमा से 150 गज के भीतर अवैध निर्माण में वृद्धि हुई है।

उत्तर बंगाल फ्रंटियर ने कहा था कि बीएसएफ जवानों की कड़ी आपत्ति और विरोध के बाद निर्माण को रुकवा दिया गया था।

संबोधन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को कोलकाता में बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट (बीजीबीएस) को संबोधित करती हुई।

25,000 आदिवासी महाकुंभ में लगाएंगे डुबकी, धर्म की रक्षा का लेंगे संकल्प : सेवा प्रकल्प संस्थान

नई दिल्ली/भाषा

आदिवासी समुदायों के करीब 25 हजार श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान संगम में पवित्र डुबकी लगाएंगे तथा अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं की 'रक्षा' करने की शपथ लेंगे। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम (एवीवाईकेए) से संबद्ध एक संस्था ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सेवा प्रकल्प संस्थान ने बताया कि वनवासी कल्याण आश्रम ने छह फरवरी से 10 फरवरी तक महाकुंभ में आदिवासी समुदायों के भक्तों की एक ''विशाल सभा'' का आयोजन किया है। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संबद्ध सबसे पुराने संस्थाओं में से एक है।

सेवा प्रकल्प संस्थान के सचिव सलिल नेमानी ने एक बयान में कहा, प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा छह फरवरी से 10 फरवरी तक एक भव्य आदिवासी सभा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक समागम में देश भर से करीब 25,000 आदिवासी श्रद्धालु शामिल होंगे और अपने धर्म, संस्कृति और परम्पराओं की रक्षा का संकल्प लेंगे। आरएसएस से संबद्ध संस्था ने कहा कि सात फरवरी को आदिवासी संतों और श्रद्धालुओं की भव्य 'शोभा यात्रा' आयोजित की जाएगी।

बयान में कहा गया है कि बड़ी संख्या में आदिवासी श्रद्धालु अपने पारंपरिक परिधान में 'शोभा यात्रा' में भाग लेंगे और पवित्र स्नान के लिए संगम पहुंचेंगे।

सुपरसोनिक विमानों की हो सकती है वापसी

क्वींसलैंड। पिछले सप्ताह के अंत में, अमेरिकी कंपनी बूम सुपरसोनिक ने अपने एक्सबी-1 सुपरसोनिक डेमोन्स्ट्रेटर विमान के साथ ध्वनि की गति से भी तेज उड़ान भरी। यह अब पहला पायलट वाला गैर-सैन्य विमान है जिसने 2003 में कॉनकॉर्ड के सेवा से हटने के बाद से ध्वनि अवरोध को तोड़ा है। यह बूम के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की दिशा में पहला कदम है, जिसके तहत 2029 तक सुपरसोनिक एयरलाइनर यात्रियों को ले जा सकेंगे। लेकिन सुपरसोनिक यात्रा वास्तव में क्या है? प्रचार के बावजूद इसके अधिक प्रचलित न होने के कुछ कारण हैं।

सुपरसोनिक उड़ान क्या है?

'मैक' संख्या को विमान की गति को ध्वनि तरंगों की गति से विभाजित करके परिभाषित किया जाता है। ''ध्वनि अवरोध को तोड़ने'' का अर्थ है ध्वनि की गति से तेज उड़ान भरना, जिसमें मैक संख्या 1 से अधिक हो। मैक संख्या एक महत्वपूर्ण अनुपात है: जब विमान उड़ता है, तो यह अपने सामने की हवा को चीरता है। ये विक्षोभ ध्वनि की गति से चलते हैं। सुपरसोनिक उड़ान में ये विक्षोभ मिलकर यान के चारों ओर 'शॉक वेव' बनाती हैं। जब लोग कहते हैं कि आप लड़ाकू विमान की आवाज सुनने से पहले उसे देख सकते हैं, तो वे सुपरसोनिक उड़ान का उल्लेख कर रहे होते हैं: लड़ाकू विमान लगभग मैक 2 की गति से यात्रा कर सकते हैं। लड़ाकू विमान से आने वाली आवाज इसकी 'शॉक वेव' में फंस जाती है; जब तक शॉक वेव जमीन पर आपकी स्थिति तक नहीं पहुंच जाती, तब तक आप विमान की आवाज नहीं सुन पाएंगे।

सुपरसोनिक यात्रा का आकर्षण

दक्षता कारणों से, अधिकांश यात्री विमान ध्वनि की गति से थोड़ी धीमी रफ्तार, लगभग मैक 0.8 से उड़ते हैं। इसे सबसोनिक उड़ान कहते हैं। बूम ओवरचर नामक एक एयरलाइनर बनाने की योजना पर काम कर रहा है जो मैक 1.7 की गति से उड़ सकता है। सुपरसोनिक तरीके से उड़ान भरने से उड़ान का समय काफी कम हो सकता है। कंपनी का दावा है कि ओवरचर पर न्यूयॉर्क से रोम की यात्रा में आठ घंटे के बजाय सिर्फ चार घंटे और 40 मिनट लगेंगे। बूम इस बड़े लक्ष्य पर काम करने वाली एकमात्र कंपनी नहीं है। अमेरिकी कंपनी स्पाइक एयरोस्पेस भी एक सुपरसोनिक बिजनेस जेट विकसित कर रही है, जिसकी टैगलाइन है ''डिलीवरिंग द वर्ल्ड इन हाफ द टाइम''। सुपरसोनिक यात्रा 20वीं सदी में मौजूद थी, लेकिन सीमित तरीके से। हालांकि, समय, दुर्भाग्य और भौतिकी के नियमों के कारण, यह जारी नहीं रही।

कॉनकॉर्ड याद है?

सुपरसोनिक एयरलाइनर के लिए डिजाइन का काम 20वीं सदी के मध्य में शुरू हुआ, और 1970 के दशक तक हमारे पास सुपरसोनिक यात्री विमान था। रूसी तुपोलेव-144 था जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते थे और कॉनकॉर्ड नामक एक फ्रांसीसी-ब्रिटिश सुपरसोनिक एयरलाइनर था, जिसे 1976 से 2003 तक ब्रिटिश एयरवेज और एयर फ्रांस द्वारा संचालित किया गया था।

कॉनकॉर्ड में 128 यात्रियों की क्षमता थी और यह मैक 2 गति पर चलता था। यह नियमित रूप से लगभग तीन घंटे में लंदन से न्यूयॉर्क की यात्रा करता था। इसकी उड़ान महंगी थी, और इनसे मुख्य रूप से व्यवसायी और अमीर तथा प्रसिद्ध लोग यात्रा करते थे।

कॉनकॉर्ड को 1960 के दशक में डिजाइन किया गया था, जब ऐसा लग रहा था कि सुपरसोनिक यात्री परिवहन अगली बड़ी चीज होने जा रही है। लेकिन बोइंग 747 ने 1970 में वाणिज्यिक सेवा में प्रवेश किया। इसके जैसे सस्ते, बड़े और दक्ष विमान ने कॉनकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

सुपरसोनिक गति से कुशलतापूर्वक उड़ान के लिए डिजाइन किया गया कॉनकॉर्ड उड़ान भरने और गति बढ़ाने के दौरान ईंधन बचाने के मामले में कुशल नहीं था। कॉनकॉर्ड की महंगी पड़ने वाली गैस की खपत वाली प्रकृति को लेकर इसके पूरे कार्यकाल में शिकायत रही। प्रतिस्पर्धी रूसी एयरलाइनर, तुपोलेव टीयू-144 की 1973 की पेरिस एयर शो दुर्घटना ने भी सुपरसोनिक उड़ान सुरक्षा पर सार्वजनिक धारणा को बदल दिया, उस समय जब कई विमानन कंपनियां कॉनकॉर्ड खरीदने या न खरीदने पर विचार कर रही थीं।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन का नया हॉरर शो 'आमी डाकिनी'

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन बहुत जल्द अपना नया हॉरर शो 'आमी डाकिनी' लेकर आ रहा है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न, जिसने भारतीय दर्शकों को प्रसिद्ध हॉरर शो 'आहट' से परिचित कराया था, अब अपने नए हॉरर शो 'आमी डाकिनी' के साथ इस शैली को नया आयाम देने जा रहा है। खूबसूरत और रहस्यमयी कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित, आमी डाकिनी प्रेम, पीड़ा और प्रतिशोध की प्रबल और रहस्यमयी दास्तान को उजागर करेगा। इस रहस्यमयी और डरावनी भूमिका को प्रतिभाशाली अभिनेत्री शीन दास जीवंत करेंगी, जो 'डाकिनी' के किरदार में नज़र आएंगी। शीन दास ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, इस शो की सबसे रोमांचक बात यह है कि यह हॉरर, रहस्य और मानवीय भावनाओं का अनूठा संगम है। मैं इस शो का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूं, क्योंकि यह हॉरर शैली में कुछ नया पेश कर रहा है। डाकिनी का किरदार निभाना मेरे लिए एक चुनौती होगी, क्योंकि वह किसी भूत जैसी नहीं है,बल्कि उसकी एक कहानी है, एक अतीत है। इस किरदार को निभाने के लिए मुझे काफी स्टडी और ट्रेनिंग करनी पड़ी। वह कोई ऐसी आत्मा नहीं है जो बस बदला लेना चाहती है, बल्कि उसके जज़्बात उसके बीते हुए संघर्षों और अन्याय में जड़ें जमाए हुए हैं। इस एक किरदार में इतनी गहराई और भावना है कि मैं दर्शकों को इसे दिखाने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं।

मनाली में 'वैलेंटाइन डे' पर खुलेगा कंगना रनौत का कैफे, दीपिका पादुकोण को किया आमंत्रित

नई दिल्ली/भाषा। कंगना रनौत ने कहा है कि मनाली स्थित उनका कैफे 'द माउंटेन स्टोरी' ग्राहकों के लिए 'वैलेंटाइन डे' पर खुल जाएगा। अभिनेत्री ने कहा कि यह कैफे खोलना उनका लंबे समय से सपना था और यह आखिरकार साकार हो रहा है। रनौत ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर कैफे और उसके अंदरूनी हिस्से का एक वीडियो शेयर किया। प्रशंसकों ने अभिनेत्री का एक पुराना साक्षात्कार ढूंढ निकाला, जिसमें उन्होंने निकट भविष्य में कैफे खोलने की इच्छा जताई थी।

स्वतंत्र फिलस्तीनी राष्ट्र का हमारा आह्वान ढ़ और अटूटः सऊदी अरब

दुबई/एपी

अमेरिका के गाजा पट्टी पर कब्जा करने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सुझाव पर मध्यपूर्व से तेजी से प्रतिक्रिया सामने आई। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी करके कड़े शब्दों में कहा कि एक स्वतंत्र फलस्तीनी राष्ट्र का वह लंबे समय से आह्वान करता रहा है और उसका यह रुख 'दृढ़ और अटूट' है।

बयान के मुताबिक, सऊदी अरब के 'क्राउन प्रिंस' मोहम्मद बिन सलमान (जो देश के वास्तविक शासक हैं) ने कहा है कि उनका देश पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाकर एक स्वतंत्र फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना की दिशा में अपने अथक काम को नहीं रोकेगा, और सऊदी अरब इसके बिना इजराइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित नहीं करेगा।

सऊदी अरब एक सुरक्षा समझौते और अन्य शर्तों के बदले इजराइल को राजनयिक रूप से मान्यता देने के समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रत्याशित ऐलान करते हुए कहा है कि अमेरिका 'गाजा पट्टी को अपने अधीन लेगा, इस पर अधिकार करेगा' और वहां आर्थिक विकास करेगा जिससे लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार और आवास'' उपलब्ध होंगे।

मंगलवार को 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ये बातें कहीं। ट्रंप ने यह भी सुझाव दिया कि अमेरिका उस जगह को विकसित करेगा। हालांकि, इस बारे में उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी कि वहां किसे रहने की अनुमति दी जाएगी।

अनावरण

विभा ज्वैलर्स की संस्थापक अनीशा रेड्डी ने बुधवार को हैदराबाद में 'विंटर्रा कलेक्शन' का अनावरण किया।

नोरा फतेही का स्नेक सॉन्ग यूट्यूब पर आठ करोड़ के पार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही के स्नेक को यूट्यूब पर आठ करोड़ 70 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। नोरा फतेही बॉलीवुड की सबसे फेमस डांसर में से एक हैं, जो कई इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर भी अपने डांस की वजह से जानी जाती हैं। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड में भी अपने डांस से ग्लोबल संसेशन बनीं नोरा फतेही इन दिनों अपने इंटरनेशनल सॉन्ग स्नेक की वजह से सुर्खियों में हैं, जिसे जेसन देरूलो ने गाया है। इस म्यूजिक वीडियो में नोरा लीड डांसर के रूप में नजर आ रही हैं। स्नेक को यूट्यूब पर खूब पसंद किया जा रहा है। इस गाने ने इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है। नोरा फतेही के स्नेक को यूट्यूब पर आठ करोड़ 70 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। नोरा फतेही ने अपने इस सॉन्ग की बीटीएस फोटो फैंस के साथ शेयर की हैं।

नोरा ने इंस्टाग्राम पर तीन फोटो शेयर की हैं, जिसे पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, कैमरे के पीछे का जादू, हम चार्ट पर ऊपर बढ़ रहे हैं दोस्तों, चलो आगे बढ़ते हैं। हम आपसे प्यार करते हैं। इन तस्वीरों में नोरा कैमरे के सामने डांस करती हुई नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर जेसन और नोरा की बीटीएस फोटो तेजी से वायरल हो रहा है।

रूपाली ने बताया जब निर्देशक इमोशनल सीन समझाते हैं तब वह करती हैं 'अटपटा काम'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें वह गायक दलेर मेहंदी के गाने 'सजन मेरे सतरंगिया' पर डांस करती नजर आईं। वीडियो के साथ रूपाली ने बताया कि जब निर्देशक उन्हें 'इमोशनल सीन' समझाते हैं तो उनके दिमाग में क्या चलता है। सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दो निर्देशक अभिनेत्री से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बात के दौरान ही अभिनेत्री गायक दलेर मेहंदी के गाने 'सजन मेरे सतरंगिया' पर डांस करना शुरू कर देती हैं। वीडियो को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, जब रियल रील बन जाता है। आप लोग प्रो एक्टर और बेहतरीन हैं रमेश कालरा और अभय

जाधव। मैं आपके निर्देशन में बेहतर काम करती हूं! इमोशनल ब्लैकमेलिंग के बावजूद ऐसा करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

वहीं, शेयर किए गए वीडियो में लिखा था, जब मेरे निर्देशक मुझे भावनात्मक सीन समझाने की कोशिश करते हैं लेकिन मेरा मन कल होने वाले शूट पर होता है। क्लिप में रूपाली अपनी गुलाबी रंग की साड़ी पहने दिखाई दीं। अभिनेत्री नए-नए पोस्ट के साथ प्रशंसकों संग सोशल मीडिया पर अक्सर उपस्थिति दर्ज कराती रहती हैं। इससे पहले रूपाली गांगुली ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर गाय से जुड़े एक वीडियो को शेयर करते हुए 'गौवंश की रक्षा का संकल्प' लेने की बात प्रशंसकों को बताई थी। वीडियो में अभिनेत्री प्रशंसकों से 'गौवंश' की रक्षा करने और उनके कल्याण को प्राथमिकता देने का संकल्प लेने का आग्रह करती नजर आई थीं। वीडियो में 'अनुपमा' फेम अभिनेत्री गाय के साथ एक गहरा संदेश भी देती नजर आईं। रूपाली अपने शो 'अनुपमा' के सेट से भी मजेदार पल शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी को-स्टार अल्पना बुच संग सुनील ग्रोवर के वायरल गाने 'मेरे हसबैंड मुझसे प्यार नहीं करते' पर लिप-सिंक करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो शेयर करते हुए रूपाली ने लिखा था, अनुपमा और बा।

'तेनाली रामा' में फिर काम करना अद्भुत अनुभवः प्रियंवदा कांत

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री प्रियंवदा कांत का कहना है कि सोनी सब के शो 'तेनाली रामा' में फिर से काम करना उनके लिये अद्भुत अनुभव रहा है। सोनी सब का 'तेनाली रामा' अपने हास्य, बुद्धिमत्ता और भावनाओं के शानदार संयोजन के साथ दर्शकों के दिल जीत रहा है। इसमें तेनाली रामा (कृष्णा भारद्वाज) की प्रसिद्ध चतुराई को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। शो की वापसी के साथ प्रशंसक प्रियंवदा कांत को तेनाली रामा की पत्नी शारदा के रूप में दोबारा देखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। प्रियंवदा कांत ने कहा, 'तेनाली रामा' पर वापस आना एक अद्भुत अनुभव है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह शो दोबारा लौटेगा। पिछले छह सालों से मुझे लगातार प्रशंसकों के संदेश मिल रहे थे कि मैं शारदा के रूप में वापसी करूं। जब आखिरकार यह मौका आया, तो सब कुछ अपने आप सही हो गया। दरअसल, प्रशंसकों ने मेरा एक पुराना इंटरव्यू भी ढूंढ निकाला, जिसमें मैंने कहा था कि यदि 'तेनाली रामा' कभी वापस आता है, तो मैं इसका हिस्सा जरूर बनूंगी। और अब हम यहां हैं। इस बार दर्शकों का प्यार भी दोगुना मिला है। मेरे इंस्टाग्राम पोस्ट्स पर उठा लो कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जो शारदा के रूप में मेरी आइकोनिक पंचलाइन है। यह दिखाता है कि प्रशंसक इस किरदार से कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। इस प्यारे शो में लौटना मेरे लिए दिल को छू जाने वाला अनुभव रहा है।

प्रियंवदा कांत ने कहा,इस बार शो में भावनात्मक गहराई कहीं अधिक है। पहले के एपिसोड्स में जहां हास्य पर अधिक ध्यान था, वहीं इस संस्करण में पारिवारिक मूल्य, रिश्तों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव को भी दर्शाया गया है। शारदा का किरदार भी विकसित हुआ है। वह अब भी एक प्यार करने वाली और सहायक पत्नी है, लेकिन अब उसमें भावनात्मक समझ का एक नया आयाम जुड़ गया है। हालांकि, शारदा को निभाना मेरे लिए स्वाभाविक है। यह ऐसा है जैसे मैं एक ऐसे किरदार में वापस लौट रही हूं, जो हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम ने टेट्रा पैक के सहयोग से एक अनूठी पहल के तहत एक मॉडल पर्यावरण-संवेदनशील कक्षा की स्थापना की है, जो रिसाइक्लिंग की संभावनाओं को दैनिक जीवन में प्रदर्शित करती है।

कर्नाटक-गोवा निदेशालय के एनसीसी कैडेटों का राजभवन में हुआ सम्मान

- निदेशालय के एनसीसी कैडेट ने जीता है प्रतिष्ठित पीएम बैनर
- राज्यपाल ने एनसीसी कैडेटों को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गणतंत्र दिवस सहित अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने वाले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कर्नाटक और गोवा निदेशालय के कैडेटों द्वारा सक्रिय भागीदारी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2024-25 के लिए प्रतिष्ठित पीएम बैनर से सम्मानित किया गया है, उनके सम्मान में बेंगलूरु स्थित राजभवन के ग्लास हाउस में एनसीसी कैडेटों का सम्मान समारोह आयोजित किया। इस मौके पर राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने सभी कैडेटों को सम्मानित किया। इस समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का उद्देश्य जीवन के सभी चरणों में नेतृत्व गुणों के साथ संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक समूह तैयार करना है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के राजपथ पर आयोजित परेड और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए राजभवन में कर्नाटक और गोवा निदेशालयों के एनसीसी कैडेटों को सम्मानित करने का अवसर मिला है।

गहलोत ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि गणतंत्र दिवस बैनर प्रतियोगिताओं में आपकी भागीदारी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आपको 2024-25 के लिए प्रतिष्ठित पीएम बैनर से सम्मानित किया गया है। गणतंत्र दिवस परेड के लिए चुना जाना अपने आप में एक उपलब्धि है। इस बार की परेड इसलिए भी खास थी क्योंकि हमारे गणतंत्र ने 75 साल पूरे किए हैं। ये यादें जीवन भर आपके साथ रहेंगी। उन्होंने कहा, जब गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ पूरी हो जाएगी, तो आपको भविष्य में निश्चित रूप से याद होगा कि हमने परेड में भाग लिया था।

उन्होंने कहा, एनसीसी युवा भारतीयों को सशस्त्र बलों में शामिल होने और उन्हें प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। इसका उद्देश्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना और स्वयंसेवा के आदर्शों को विकसित करना तथा जीवन के सभी चरणों में नेतृत्व गुणों के साथ संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक समूह तैयार करना है। वे जो भी करियर चुनेंगे, वे राष्ट्र की सेवा करेंगे।

उन्होंने कहा, एनसीसी का आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन है। यह एक जिम्मेदार, निरंतर सीखने और बढ़ने वाला संगठन है। इसकी गतिविधियां कुछ मूल मूल्यों द्वारा निर्देशित होती हैं। एनसीसी जैसे युवा संगठन में होना गर्व और सम्मान की बात है। देश के कई स्कूलों और विश्वविद्यालयों में एनसीसी की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करके छात्रों को शिक्षित और प्रशिक्षित किया जाता है। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र के विकास का आधार होती है। उन्होंने कहा कि आज के युवा आधुनिक और विकसित भारत के निर्माता हैं। हम सभी जानते हैं कि हमारे देश में युवाओं का वर्चस्व है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। इसलिए उनकी शिक्षा एवं कल्याण तथा उनमें नैतिक गुणों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनसीसी इस सोच के साथ सक्रिय रूप से काम कर रही है और भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है तथा एक भारत-श्रेष्ठ भारत और स्वावलंबी भारत के निर्माण में प्रमुख योगदान दे रही है।

राज्यपाल ने कहा, वर्तमान में हम ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन सहित कई गंभीर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए आमजन का जागरूक होना बहुत जरूरी है। पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन हम सबकी जिम्मेदारी है। जल, जंगल और वायु संरक्षण के लिए और अधिक काम करने की जरूरत है। इस संबंध में एनसीसी पहले से ही कई शिविरों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा कर रही है। कैडेटों को वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त भारत जैसे अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

राज्यपाल ने सराहना करते हुए कहा, कर्नाटक और गोवा निदेशालय के उप महानिदेशक एयर कमोडोर एसबी अरुण कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय कैडेट कोर ने कई गतिविधियों में भाग लेकर कोर को गौरवान्वित किया है और कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किए हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर कर्नाटक एवं गोवा निदेशालय के उप महानिदेशक एयर कमोडोर एसबी अरुण कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय विद्यालय में पर्यावरण-संवेदनशील कक्षा मॉडल को किया विकसित

केन्द्रीय विद्यालय और टेट्रा पैक ने की यह अनोखी पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम ने टेट्रा पैक के सहयोग से एक अनूठी पहल के तहत एक मॉडल पर्यावरण-संवेदनशील कक्षा की स्थापना की है, जो रिसाइक्लिंग की संभावनाओं को दैनिक जीवन में प्रदर्शित करती है। इस पहल के अंतर्गत पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम ने एक नई पुनर्निर्मित कक्षा का निर्माण किया है जिसमें 25 सेट डेस्क, अलमारियां, ब्लैकबोर्ड और अन्य आवश्यक फर्नीचर शामिल हैं। ये सभी फर्नीचर रिसाइकल किए हुए पेय पदार्थों के कार्टनों से बनाए गए हैं, जिनमें टेट्रा पैक की पैकेजिंग का उपयोग किया गया है। केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार ने कहा कि विद्यालय की उत्सुकता साझा करते हुए कहा कि टेट्रा पैक के साथ इस साझेदारी ने हमारे विद्यालय को पर्यावरण जागरूकता के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित किया है। यह पहल केवल एक कक्षा का परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भविष्य के जिम्मेदार और पर्यावरण-संवेदनशील नागरिकों के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टेट्रापैक साउथ एशिया के मैनेजिंग डायरेक्टर कैसियो सिमोएस ने इस नई पहल के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम मानते हैं कि यह पहल हमारे पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवा सोच को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का एक उदाहरण है। हमने एक वर्ष में समाज में 1000 रिसाइकल की हुई वस्तुएं दान करने का वचन लिया था और हम यह देखकर खुशी महसूस कर रहे हैं कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम इनमें से एक है। मॉडल स्कूल परियोजना को एएआरसी(एक्शन अलायंस फॉर रीसायक्लिंग बेवरेज कार्टन्स) के समर्थन से लागू किया गया। इस मौके पर बेवरेज कार्टन्स उद्योग और आरयूआर ग्रीनलाइफ मुंबई जो जो पर्यावरणीय शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहा है ने विद्यार्थिया को रिसाइकिलिंग और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यशाला आयोजित की।

भोग-उपभोग बढ़ा है, पैसों की कद्र घटी है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रावती। तरीकेरे में स्थानीय लोगों के साथ-साथ मैसूर, चिक्कमगलूर, कडुर, बिरूर, भद्रावती, शिवमोगा आदि क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आज संसाधन कम पड़ रहे हैं। बीमारियां बढ़ रही हैं। भोग-उपभोग की अंतहीन भूख मनुष्य में पागलपन ला रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है, लेकिन पैसों की कद्र घट रही है। छोटे और सामान्य लोग भी इस कदर पैसे उड़ा रहे हैं जैसे दुनिया में कोई गरीब नहीं है। बेरोकटोक कोई किसी भी वस्तु को व्यर्थ-बरबाद कर देता है। समय, स्वास्थ्य, संबंध और मन की फिक्र नहीं है, सब मोबाइल में व्यस्त हैं।

आचार्यश्री विमल सागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अपव्यय गरीबी और जागतिक समस्याओं का मूल कारण है। दुनिया में जहां देखो वहां, बहुत बड़ी मात्रा में भोग-उपभोग बढ़ गया है। किसी को भी जागतिक संतुलन या भविष्य में आने वाली आफतों की चिंता नहीं लगती। लोग बिंदास होकर जी रहे हैं। इस बीच कोई बड़े-बुजुर्ग या अनुभवी व्यक्ति कहीं सावधान करते हैं तो लोग उनको मज़ाकिया अंदाज में लेते हैं। ऐसे लोगों की बातों के उपहास उड़ाये जाते हैं। पिछले सौ वर्षों में संसार की नीति-रीति को इतना बदल दिया गया है कि उतना तो पिछले पांच-दस हजार वर्षों में भी परिवर्तन नहीं हुआ था। अनाज, पानी, बिजली, वनस्पति, जीव-जंतु, खनिज, सबका अथाह अमर्यादित उपभोग आज दुनिया को उस मोड़ पर ले आया है, जहां सब-कुछ स्वाहा हो रहा है। जैनाचार्य ने समझाया कि किसी भी वस्तु का पूरा-पूरा उपयोग करने के बजाय, उसे समय से पहले फेंका जा रहा हैं। नित नई वस्तुएं खरीदने का शौक बढ़ गया है। इन सबको देखकर स्पष्ट लगता है कि आने वाला जमाना बहुत विकट और मुश्किलों भरा होगा। इस संक्रमण काल में शास्त्रों से मार्गदर्शन लेना चाहिए। भोग-उपभोग का सीमांकन और मर्यादाओं का निर्धारण ही हमें तबाही से बचा सकता है। मन की इच्छा, तृष्णा और आकांक्षाओं को कम कर हम अपने दु:खों को दूर कर सकते हैं। आपके पास क्या है, यह महत्वपूर्ण नहीं, आप कैसे जीते हैं, यह बेहद महत्वपूर्ण है। इससे पूर्व पदयात्रा करते हुए सवेरे तरीकेरे पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने संतगण का भावपूर्ण स्वागत किया। शांतिनाथ जिनालय में सामूहिक चैत्यवंदना हुई।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने कैंसर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया

स्पर्श हॉस्पिटल के सहयोग से दी कैंसर की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर एवं स्पर्श हॉस्पिटल ने संयुक्त तत्वावधान में वर्ल्ड कैंसर दिवस मनाया गया। मंडल की अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल ने सभी डॉक्टर्स एव अतिथियों का स्वागत किया एवं उन्होंने कैंसर जागरुकता की जानकारी देते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट क़रीब एक साल से चल रहा है। कैंसर जागृति रैली, थर्मोग्राफी, ब्लड टेस्ट एवं ज़रूरतमंद लोगों का नि:शुल्क चेकअप करवा चुके हैं। इस मौके पर एरियट बोन मेरो ट्रांसप्लांटेशन विशेषज्ञ डॉ गोविंद ने कहा कि यह हड्डियों के अंदर मौजूद अस्थि मज्जा में होने वाला कैंसर है इसे रक्त कैंसर भी कहा जाता है। प्रारंभिक स्तर पर इसका उपचार होने पर इसका निवारण किया जा सकता है।

सीनियर कंसलटेंट हेड एंड नैक सर्जरी व ऑन्कोलॉजिस्ट डायरेक्टर डॉ नारायण सुब्रमण्यम ने कैंसर के कारण, लक्षण और उपचार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सर्जरी विकिरण चिकित्सा में (कीमोथेरेपी) से इसका इलाज हो सकता है। डॉ. लाइन इब्राहीम ने भी कैंसर के विभिन्न कारणों की जानकारी दी। एसोसिएट कंसलटेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजी कैंसर विज्ञान कैंसर विज्ञान के डॉ प्रतुषा ने ब्रैस्ट कैंसर एवं सरवाइकल कैंसर की जानकारी देते हुए कहा हमें खानपान एवं साफ सफाई पर अवश्य ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष की हर महिला को मेमोग्राफी स्क्रीनिंग अवश्य करानी चाहिए। मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित पुलिस उपायुक्त अनिता हद्दन्नवर ने कहा कि भारत में सबसे ज़्यादा कैंसर के मरीज़ हैं, हमें इसमें जागरूक रहकर इसका निवारण करना है। उन्होंने महिला मंडल के कार्यों को सराहा एवं डॉक्टर की पूरी टीम का धन्यवाद किया। डॉ सूरज हिंदिसकेरे ने कैंसर के उपचार की विभिन्न प्रकारों की जानकारी दी। इस मौके पर सभी डाक्टरों का सम्मान किया गया।

इस जागरुकता कार्यक्रम में संस्था की ओर से 100 से अधिक वाउचर बांटे गए। कैंसर जागरुकता अभियान के प्रायोजक महेंद्र सरला श्रीमाल परिवार रहें। संयोजिका इन्दु खिंवेसरा एवं सहसंयोजिका अनीता नाहर ने व्यवस्था संभाली। मंडल की उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, लता गदिया, सहमंत्री प्रमिला धोका, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया,प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आँचलिया सहित पूर्व अध्यक्ष शांति सकलेचा एवं अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं।

पति ने चाकू से गोदकर पत्नी की सरेआम की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हेब्बगुडी क्षेत्र में 28 वर्षीय सी गंगा अपने 30 वर्षीय पति मोहनराज के साथ रहती थी। सात वर्ष पूर्व इन दोनों की शादी हुई थी और इनका एक बच्चा है। मोहनराज एक प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत है। इन दोनों पति पत्नी के बीच छोटी छोटी बातों को लेकर अकसर झगड़ा होता रहा था। पुलिस ने बताया कि मोहनराज को अपनी पत्नी गंगा के चरित्र पर शक था जिसके चलते दोनों के बीच मन मुटाव व लड़ाई झगड़ा था।

गंगा अपनी पति से परेशान होकर उसे छोड़कर अलग रहने लगी और डीमार्ट स्टोर पर काम करने लगी। बुधवार को सुबह जब गंगा अपने काम पर जा रही थी तो मौका देखकर मोहनराज ने चाकू से गंगा पर सरेआम हमला कर दिया। चाकू के हमले में घायल गंगा की अत्याधिक खून बह जाने के कारण घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मोहनराज भाग खड़ा हुआ। पुलिस ने बताया कि शिकायत दर्ज कर शाम तक पुलिस ने मोहनराज को गिरफ्तार कर लिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

कर्नाटका एग्रीकल्चर वाटर पम्प एंड स्पेयर्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (काक्स्टा) की नई कार्यकारिणी की पहली बैठक में अध्यक्ष सुनील सुराणा ने सर्वसम्मति से रसिक पटेल को उपाध्यक्ष, संजय भीमानी को सचिव, मनोज रावल को कोषाध्यक्ष और डेविस डी कोस्टा को सहसचिव चुना। उपस्थित जनों ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

नाड उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित केंपेगौड़ा कन्नड गलेयारा बळगा संघ द्वारा क्षेत्र में बन्डे महाकाली अम्मा नवर उत्सव व नाड हब्बा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी संस्कृति व धर्म पर पूरा विश्वास व आस्था रखनी चाहिए। व्यक्ति का जीवन धर्म से संचालित होता है और संस्कारों से नियंत्रित होता है। इस मौके आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

यौन शोषण से बचने के लिए महिला पहली मंजिल से कूदी, होटल संचालक गिरफ्तार

कोझीकोड। कर्नाटक के त्रिशूर जिले से एक होटल संचालक को गिरफ्तार किया गया जिस पर आरोप है कि उसने एक महिला कर्मचारी से दुष्कर्म करने की कोशिश की और खुद को बचाने के लिए वह पहली मंजिल से कूद गयी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान देवदास के रूप में हुई है। आरोपी देवदास को मुक्कम पुलिस ने मंगलवार रात एक बस यात्रा के दौरान कुन्नमकुलम से गिरफ्तार किया।

एक सूत्र ने कहा कि जांचकर्ताओं को आरोपी की गतिविधियों के बारे में सूचना मिली और पुलिस कर्मियों की एक टीम ने उसका पीछा किया और बीच रास्ते में बस रुकवाकर उसे पकड़ लिया। आरोपी को बुधवार तड़के मुक्कम पुलिस थाने लाया गया। पुलिस ने बताया कि देवदास शनिवार रात महिला कर्मचारी के कमरे में घुस गया था। पुलिस ने बताया कि घटना के दौरान मौजूद आरोपी के दो साथी रियाज और सुरेश फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

महिला ने पुलिस को बताया कि यौन शोषण के प्रयास से बचने के लिए उसने पहली मंजिल से कूदने का फैसला किया। इस दौरान उसे गंभीर चोटें आईं। कन्नूर के पय्यनूर की रहने वाली महिला कुछ महीने पहले ही देवदास के होटल में काम करने आई थी। महिला ने यह बयान दिया कि जब वह अपने कमरे में फोन पर वीडियो गेम देख रही थी, तब तीनों आरोपी उसके कमरे में घुस आए और उसे अपने बचाव के लिए कूदने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं दिखा।

पड़ोसियों और स्थानीय लोगों ने महिला की चीखें सुनी और तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया। देवदास को महिला के परिवार द्वारा वीडियो जारी करने के बाद गिरफ्तार किया गया। वीडियो में आरोपियों द्वारा किए गए शोषण के प्रयास और महिला के कूदने की घटना दिखाई दे रही थी। पुलिस ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

जांगिड़ समाज का दो दिवसीय विश्वकर्मा जयंती समारोह 9 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जांगिड़ समाज ट्रस्ट कर्नाटक के तत्वावधान में टेंक बंड रोड स्थित विश्वकर्मा भवन में दो दिवसीय भगवान श्री विश्वकर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। 9 फरवरी को सुबह मंदिर में दीप व पूजा होगी, दोपहर 2 बजे से प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, अध्यक्ष भाषण व रात्रि में भजन व चढ़ावें बोले जाएंगे। 10 फरवरी को सुबह 5.15 बजे हवन, अभिषेक होंगे। सुबह 6.15 बजे ध्वजा लाभार्थी गुगरिया परिवार द्वारा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण होगा। ध्वजारोहण के बाद मंदिर में जनेऊ, पोषाक, तिलक, माला, आरती व गुलाल विधि होगी। विश्वकर्मा जयंती की तैयारियों में ट्रस्ट मंडल के साथ युवा सदस्य जुटे हुए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभारंभ

कर्नाटक सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद एस. पाटिल ने फीता काटकर बेंगलूरु के हुरियोपेट में इनरवियर के नए विशाल शोरुम 'सिम-सिम एनएक्स' का शुभारंभ किया। शोरुम के प्रबंध निदेशक अश्विन सेमलानी ने बताया कि शोरुम में किड्स, लेडिज, जेंट्स के लिए सभी ब्रांडेड फैशनेबल इनरवियर उपलब्ध रहेंगे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com